E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 अंक: 42 पृष्ठ: 8 अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) जयपुर, मंगलवार 25 अगस्त, 2026 मूल्य: ₹10.00 प्रभात RNI NO. RJMUL/26/A4290

तीन साल में बदलेगी राजस्थान के स्कूलों की सूरत, सरकार ने तैयार किया रोडमैप, 12,500 करोड़ रुपए खर्च होंगे

थिंक राजस्थान

राजस्थान सरकार ने प्रदेश के जर्जर और कमजोर आधारभूत ढांचे वाले सरकारी स्कूलों के कायाकल्प के लिए अगले तीन वर्षों का बड़ा रोडमैप तैयार किया है। सरकार ने वर्ष 2026-27 से 2028-29 तक चरणबद्ध तरीके से सरकारी स्कूलों को सुरक्षित, सुविधायुक्त, आधुनिक और तकनीक-सक्षम बनाने की योजना बनाई है। इसके तहत करीब 12,500 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। रोडमैप के मुताबिक प्रदेश में 3,587 नए विद्यालय भवनों का निर्माण कराया जाएगा, जिस पर करीब 2,487.75 करोड़ रुपए खर्च होंगे। वहीं 83,783 नए कक्षा-कक्षों के निर्माण पर 8,378.30 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा 22,589 स्कूलों में मेजर रिपेयर के लिए 1,129.45 करोड़ और 13,616 नए शौचालय परिसरों के लिए करीब 340.40 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेश के सभी 41 जिलों में जिला कलेक्टरों के माध्यम से सरकारी स्कूल भवनों का तकनीकी सर्वे कराया गया। सर्वे में सामने आई जरूरतों के आधार पर वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2028-29 तक के लिए चरणबद्ध योजना तैयार की गई है। सरकार के अनुसार पिछले पांच वर्षों में स्कूलों के आधारभूत ढांचे पर करीब 2,200 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। दीर्घकालीन योजना के साथ तत्काल जरूरतों पर भी काम शुरू किया गया है। वर्तमान में 3,006.34 करोड़ रुपए के विकास कार्य स्वीकृति या निविदा प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें 518 नए विद्यालय भवनों के लिए 620 करोड़ रुपए के काम स्वीकृत अथवा टेंडर प्रक्रिया में हैं, जबकि 181 भवनों का निर्माण शुरू हो चुका है। सरकार ने विधायक निधि को भी स्कूलों के बुनियादी ढांचे से जोड़ने का फैसला किया है। प्रत्येक विधायक को मिलने वाली 5 करोड़ रुपए की वार्षिक निधि में से 20 प्रतिशत राशि स्कूलों की आधारभूत सुविधाओं पर खर्च करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत 894 नए विद्यालय भवनों के लिए करीब 600 करोड़ रुपए के प्रस्ताव नाबार्ड/वित्त विभाग से ऋण स्वीकृति के लिए भेजे गए हैं। 2,906 नए कक्षा-कक्षों के लिए करीब 300 करोड़ रुपए के कार्य स्वीकृत एवं गतिमान हैं। मेजर रिपेयर एवं सुरक्षात्मक कार्यों के लिए 550 करोड़ रुपए और शैक्षणिक, आवासीय एवं विशेष सुविधाओं के लिए 936.34 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। जयपुर के रामपुरा-कंवरपुरा स्थित राजकीय प्राथमिक स्कूल, जिसे 2025 में जर्जर घोषित किया गया था, के नए भवन का निर्माण 1 सितंबर से शुरू होगा। नए भवन के लिए डीएमएफटी से 12 लाख रुपए और विधायक कोष से 6 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। सरकार सरकारी स्कूलों को डिजिटल सुविधाओं से जोड़ने पर भी जोर दे रही है। दिसंबर 2026 तक करीब 1,087 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इसके तहत करीब 5 हजार स्मार्ट क्लास रूम, 80 हजार टैबलेट और 7 हजार आईसीटी लैब स्थापित की जाएंगी। योजना के तहत 614 नए विद्यालय भवनों और 2,750 स्कूलों में मेजर रिपेयर के कार्य होंगे। 2,256 विज्ञान प्रयोगशाला कक्षों के लिए 507.60 करोड़ रुपए और 1,239 विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के लिए सुविधाओं पर 40 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा 5 छात्रावासों, 13 डायट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और 79 छात्रावास भवनों पर भी काम होगा।

शराब परिवहन घोटाले में ईडी ने पूर्व विधायक को किया गिरफ्तार, 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

थिंक राजस्थान

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के चर्चित शराब परिवहन घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व नागरिक आपूर्ति मंत्री और पूर्व विधायक करुमुरी वेंकट नागेश्वर राव को गिरफ्तार कर लिया है। ईडी के हैदराबाद जोनल ऑफिस ने 23 अगस्त को पीएमएलए 2002 के तहत उन्हें गिरफ्तार किया। 24 अगस्त को उन्हें नामपल्ली, हैदराबाद की विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। ईडी ने यह जांच आंध्र प्रदेश सरकार के अतिरिक्त सचिव (सतर्कता) की शिकायत पर सीआईडी, आंध्र प्रदेश द्वारा आईपीसी और बीएनएस की विभिन्न धाराओं में दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। यह मामला एपीएसबीसीएल शराब परिवहन घोटाले में सरकारी खजाने को 195.33 करोड़ रुपए के नुकसान से जुड़ा है। ईडी की जांच में खुलासा हुआ कि आंध्र प्रदेश राज्य बेवरेजेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एपीएसबीसीएल) के शराब परिवहन टेंडर की शर्तों को जानबूझकर कुछ चुनिंदा कंपनियों के फायदे के लिए बदला गया था।

शिक्षक दिवस पर दिल्ली में CJP का पैदल मार्च, कहा- वादों को पूरा करने में सरकार कर रही टालमटोल

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। CJP (कॉकरोच जनता पार्टी) ने सोमवार (24 अगस्त) को एक बड़ा एलान कर दिया है। पार्टी का कहना है कि 25 जुलाई को युवाओं से केंद्र सरकार ने जो वादा किया था उसे अभी तक पूरा नहीं किया है। सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा है कि हम 5 सितंबर को शांतिपूर्ण मार्च करेंगे। यह मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय की ओर जाएगा। पार्टी ने कहा, ''पिछले एक महीने से, पक्के वादों को लागू करने के बजाय, सरकार ने टालमटोल की है, तकनीकी बातों का सहारा लिया है और सुप्रीम कोर्ट के सामने भी स्पष्ट वादे करने से बचती रही है। 18 अगस्त को, सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार केंद्र सरकार से देश भर में दर्ज FIR की सूची मांगी ताकि कोर्ट उन्हें एक साथ रद्द कर सके, जिससे वादा पूरा करना सबसे आसान हो जाता। फिर भी, सरकार ने ऐसा करने का स्पष्ट वादा करने से इनकार कर दिया। CJP को सरकार से लिखित आश्वासन भी मिलना बाकी है।'' सीजेपी ने कहा यह स्थिति और नहीं चल सकती। हमारे धैर्य को कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। हमारे अच्छे विश्वास का इस्तेमाल सरकार हमारे साथ धोखा करने के लिए नहीं कर सकती। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा देने के बाद प्रोटेस्ट खत्म किया गया था।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने दो दिवसीय नौवें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन का किया उद्घाटन

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नई दिल्ली में दो दिवसीय नौवें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन 2026 का उद्घाटन किया। सम्मेलन के उद्घाटन से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शहीद स्तम्भ पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए आसूचना ब्यूरो (आईबी) के उन बहादुर कर्मियों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा और अखंडता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह सम्मेलन हाइब्रिड फॉर्मेट में आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से लगभग 850 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, केन्द्रीय गृह सचिव, उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) तथा सीपीओ के प्रमुखों ने दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया। राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के पुलिस महानिदेशकों, कटिंग-एज स्तर के युवा पुलिस अधिकारी और विशेष क्षेत्र के डोमेन विशेषज्ञ ने संबंधित राज्यों की राजधानियों से वर्चुअल तरीके से इस सम्मेलन में हिस्सा लिया। सम्मेलन के पहले दिन, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी अहम चुनौतियों पर चर्चा हुई। इनमें आतंकवाद से निपटने के तरीके, मल्टी एजेंसी सेंटर (एमएसी) के जरिए इंटेलिजेंस का एकीकरण, विश्लेषण और उसे लागू करना, नशीले पदार्थों पर नियंत्रण के लिए विजन डॉक्यूमेंट, अवैध प्रवासियों की पहचान और उन्हें वापस भेजना, और साइबर-क्राइम व पाकिस्तान की प्रॉक्सी वॉर से निपटने के लिए पॉलिसी फ्रेमवर्क जैसे मुद्दे शामिल थे। आतंकवाद और कट्टरपंथ से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एमएचए की 'प्रहार' योजना को लागू करने के लिए ट्रेनिंग, भगोड़ों को वापस लाकर उनके खिलाफ ट्रायल में तेजी लाने और 'ट्रायल इन एब्सेंशिया' के प्रावधानों का इस्तेमाल करने पर जोर दिया।

CAA प्रक्रिया में तेजी लाएगी बंगाल सरकार, बांग्लादेश से आए हिंदू शरणार्थियों को जल्द सौंपेंगे नागरिकता सर्टिफिकेट

थिंक राजस्थान

कोलकाता। बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार (24 अगस्त) को नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA) को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा सीएए के तहत नागरिकता के लिए 2.30 लाख लोगों ने आवेदन किए, जिनमें 23 हजार लोगों को सर्टिफिकेट जारी किए जा चुके है। सर्टिफिकेट जारी करने की प्रक्रिया में अब तेजी लाई जाएगी। सीएम शुभेंदु अधिकारी आगे कहा, 'हम तेजी से सुनवाई पूरी करके धार्मिक उत्पीड़न के कारण बांग्लादेश से आए हिंदू शरणार्थियों को सर्टिफिकेट सौंप देंगे। विशेष रूप से हमारे हिंदू शरणार्थी और मतुआ समुदाय के लोग, जो लंबे समय से इस आस में थे और जिन्होंने हमें सत्ता में बैठाया है। वे अब मुझसे अपना सर्टिफिकेट ले सकते हैं।' CAA के तहत 6 समुदायों (हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई) के शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता प्रदान की जाती, जिन्होंने पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न के कारण 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत में शरण ली थी। 24 अगस्त को जितने लोगों को सर्टिफिकेट दिया गया है उससे पहले 23,956 नागरिकता प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके हैं। नदिया जिले में सबसे अधिक 10,191 प्रमाण पत्र प्राप्त हुए हैं, जबकि उत्तर 24 परगना में 8,930 प्रमाण पत्र प्राप्त हुए है। सीएए के तहत नागरिकता प्रमाण पत्र जारी किए जाने की प्रक्रिया में तेजी लाने की घोषणा के बाद पश्चिम बंगाल में यह मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक चर्चा के केंद्र में आ गया है। राज्य में बड़ी संख्या में ऐसे परिवार हैं, जो लंबे समय से नागरिकता से जुड़े दस्तावेज मिलने का इंतजार कर रहे हैं। सरकार की ओर से प्रक्रिया तेज किए जाने की बात सामने आने के बाद इन परिवारों में उम्मीद बढ़ी है। बताए गए आंकड़ों के अनुसार, अब तक जारी प्रमाण पत्रों में नदिया और उत्तर

24 परगना जिलों की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। इन क्षेत्रों में मतुआ समुदाय की बड़ी आबादी रहती है और नागरिकता का मुद्दा यहां लंबे समय से राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण रहा है। नागरिकता प्रमाण पत्र मिलने के बाद संबंधित परिवारों को सरकारी स्तर पर अपनी स्थिति से जुड़े दस्तावेज हासिल करने में सुविधा मिलने की उम्मीद है। सीएए के तहत आवेदन करने वाले लोगों में पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आए गैर-मुस्लिम समुदायों के लोग शामिल हैं। कानून में हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदायों के उन लोगों के लिए नागरिकता का प्रावधान किया गया है, जो धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए थे। नागरिकता प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया में आवेदकों के दस्तावेजों और पात्रता की जांच की जाती है। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने पर नागरिकता प्रमाण पत्र जारी किया जाता है।

जमाखोरी और बाजार की धारणा हैं चीनी महंगाई की वजह

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। देश में चीनी की बढ़ती कीमतों को लेकर चल रही बहस के बीच कृषि वैज्ञानिक और आईसीएआर-शुगरकेन ब्रीडिंग इंस्टीट्यूट, कोयंबटूर के पूर्व निदेशक पद्मश्री डॉ. बख्शी राम ने सोमवार को कहा कि मौजूदा मूल्य वृद्धि को एथेनॉल उत्पादन से जोड़ना सही नहीं है। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में उन्होंने कहा कि देश में चीनी का उत्पादन घरेलू खपत से अधिक है और पर्याप्त बफर स्टॉक भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि बाजार में बनी धारणा, जमाखोरी और आपूर्ति को लेकर पैदा की गई आशंकाएं कीमतों में हालिया तेजी के प्रमुख कारण हैं। डॉ. बख्शी राम ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि देश में एथेनॉल उत्पादन सरकार की निगरानी में होता है और यह पूरी तरह चीनी उपलब्धता तथा स्टॉक की स्थिति को ध्यान में रखकर तय किया जाता है। इसका सीधा लाभ किसानों को मिला क्योंकि उनके बकाया भुगतान समय पर होने लगे।

एस जयशंकर और मंटुरोव ने भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की 27वीं बैठक में अहम दस्तावेज पर किए हस्ताक्षर

थिंक राजस्थान

मॉस्को। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने दो दिवसीय रूस यात्रा पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और पहले उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव से मुलाकात की। इस मौके पर व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की 27वीं बैठक की गई और अहम दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए गए। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को कहा कि जटिल अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के बीच भी भारत-रूस साझेदारी ने लगातार लचीलापन और अनुकूलन क्षमता का प्रदर्शन किया है। विदेश मंत्री जयशंकर ने मॉस्को में व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) के 27वें सत्र में कहा, 'जटिल अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के बीच भी हमारा जुड़ाव गहरा होता रहा है, जो हमारे द्विपक्षीय साझेदारी को परिभाषित करने वाले आपसी हित और विश्वास को दर्शाता है।' उन्होंने कहा, 'हमारे पिछले सत्र के बाद से हमारे नेताओं ने हमारी विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के लिए स्पष्ट दिशा प्रदान करना जारी रखा है। दिसंबर 2025 में आयोजित 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन ने दीर्घकालिक आर्थिक सहयोग को गहरा करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।' उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में, वस्तुओं में द्विपक्षीय व्यापार चार गुना से अधिक बढ़ गया है, जो 2021-22 में लगभग 13 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2025-26 में लगभग 60 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है। ईएएम ने कहा, 'यह हमारी साझेदारी की अपार संभावनाओं को दर्शाता है और व्यापार के तेजी से विस्तार के साथ-साथ व्यापार असंतुलन में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 6.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है। इस असंतुलन को दूर करना आज हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है।' विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, 'प्रत्येक कार्य समूह को अगले सत्र से पहले हासिल किए जाने वाले परिणामों को प्राथमिकता देनी चाहिए और समस्या समाधान में सक्रिय रूप से शामिल होना चाहिए।'

इंडोनेशिया के बांदा सागर में 6.4 तीव्रता का भूकंप आया, नुकसान की कोई खबर नहीं

थिंक राजस्थान

जकार्ता। इंडोनेशिया के पास बांदा सागर में सोमवार को 6.4 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, इसका सेंटर लगभग 37 किलोमीटर की गहराई में था। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी (बीएमकेजी) ने भी भूकंप की पुष्टि की। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप शाम 7:40 बजे आया। इससे पहले 18 अगस्त को इंडोनेशिया के उत्तरी सुमात्रा प्रांत में नियास द्वीप के पास 6.1 तीव्रता का भूकंप आया। सिंहुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, जानमाल के नुकसान की तुरंत कोई खबर नहीं मिली। एजेंसी ने बताया कि भूकंप दोपहर 1:02 बजे (स्थानीय समयानुसार) आया, जिसका केंद्र साउथ नियास रीजेंसी से लगभग 147 किमी दक्षिण-पूर्व में 29 किमी की गहराई पर था। भूकंप से सुनामी आने का खतरा नहीं था।

ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स के प्रीमियर नतालियो व्हीटली ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से की मुलाकात

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स के प्रीमियर और वित्त मंत्री नतालियो डी. व्हीटली से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच वित्तीय सेवाओं, डिजिटल परिवर्तन, निवेश प्रोत्साहन और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई। यह जानकारी वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि नतालियो व्हीटली वित्तीय सेवाओं से जुड़े विशेषज्ञों के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं और अपनी भारत यात्रा के दौरान नई दिल्ली, गिफ्ट सिटी, मुंबई और बेंगलुरु का दौरा करेंगे। बैठक के दौरान व्हीटली ने वित्त मंत्री को बताया कि उनकी भारत यात्रा का प्रमुख उद्देश्य ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स और भारत के बीच संबंधों को और मजबूत करना है। उन्होंने विशेष रूप से वित्तीय सेवाओं, फिनटेक, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, व्यापार, निवेश संवर्धन और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने की रुचि व्यक्त की।

संपादकीय

शराब ठेकेदारों का विरोध प्रदर्शन, जीरो बिलिंग के बाद दुकानें बंद करने की चेतावनी

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रदेशभर के शराब ठेकेदारों ने सोमवार को राजधानी जयपुर के शहीद स्मारक पर आबकारी नीति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। लिकर कॉन्ट्रैक्टर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष पंकज धनखड़ ने सरकार से आबकारी व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग करते हुए चेतावनी दी कि मांगों पर जल्द निर्णय नहीं हुआ तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। पंकज धनखड़ ने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में शराब की मात्रा करीब 250 गुना बढ़ गई है। उनका कहना है कि इतनी बड़ी मात्रा में शराब की बिक्री मौजूदा समय सीमा में करना व्यावहारिक रूप से मुश्किल है। उन्होंने आरोप लगाया कि नियमों के विपरीत शराब की गारंटी बढ़ाकर ठेकेदारों पर अतिरिक्त दबाव बनाया जा रहा है। यूनियन ने शराब की दुकानों का संचालन समय बढ़ाकर रात 11 बजे तक करने की मांग की है। ठेकेदारों ने शराब उठाव से जुड़े सभी राइडर हटाने और गारंटी व्यवस्था को मासिक के बजाय त्रैमासिक करने की मांग भी रखी। यूनियन का कहना है कि शराब की बिक्री पूरे साल एक समान नहीं रहती और मौसम, त्योहारों व अन्य आयोजनों के कारण इसमें उतार-चढ़ाव होता रहता है। ऐसे में त्रैमासिक गारंटी व्यवस्था अधिक व्यावहारिक होगी। यूनियन अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेशभर के ठेकेदार अपनी मांगों को लेकर एकजुट हैं।

सीजेपी कार्यकर्ताओं पर हमलों के बाद धरातल पर उतरे भर्ती और कॉलेज के मुद्दे

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। जयपुर और जोधपुर में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के सह-संयोजक आशुतोष रांका व अन्य कार्यकर्ताओं के साथ हुए टकराव और विरोध प्रदर्शनों के बाद राजस्थान में शिक्षा व्यवस्था, भर्ती प्रक्रियाओं और राजनीतिक कार्यशैली को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। घटनाओं के बाद सोशल मीडिया पर आम छात्रों और युवाओं द्वारा साझा किए जा रहे संदेशों ने शिक्षा विभाग और सरकार के दावों पर सवाल खड़े करने शुरू कर दिए हैं।

तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती (लेवल-1): अभ्यर्थियों का कहना है कि जनवरी में परीक्षा संपन्न होने के बावजूद कई महीनों से दस्तावेज सत्यापन (DV) और नियुक्तियों की प्रक्रिया अटकी हुई है। इससे सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की भारी कमी बनी हुई है।

सरकारी स्कूलों की स्थिति (अमरसर, जयपुर): वहीं अब यह संख्या घटकर मात्र 150 रह गई है और शैक्षणिक ढांचा उपेक्षित है।

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान की जोजरी नदी के किनारे से 100 मीटर के दायरे में निर्माण पर लगाई रोक

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राजस्थान की जोजरी नदी के किनारे से 100 मीटर के दायरे में सभी तरह के निर्माण और विकास कार्यों पर रोक लगा दी। यह रोक तब तक लागू रहेगी जब तक कि बाढ़ सीमा और पर्यावरण सुरक्षा क्षेत्र का वैज्ञानिक तरीके से निर्धारण और सीमांकन नहीं हो जाता। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने जोजरी समेत राजस्थान की नदियों में औद्योगिक प्रदूषण से जुड़े एक 'सुओ मोटो' मामले में यह आदेश दिया। कोर्ट ने आदेश दिया कि नदी की मौजूदा बाढ़ सीमा से दोनों तरफ 500 मीटर तक ऐसे किसी उद्योग या गतिविधि की अनुमति नहीं होगी, जिससे नदी में प्रदूषण, गंदगी या पर्यावरण को कोई दूसरा नुकसान होने की संभावना हो। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नदी और उसके आसपास के पर्यावरण को काफी नुकसान हुआ है। इसलिए, जब तक वैज्ञानिक तरीके से नदी की बाढ़ सीमा और जरूरी पर्यावरण सुरक्षा क्षेत्र तय नहीं हो जाता, तब तक यह अंतरिम व्यवस्था लागू रहेगी। कोर्ट ने कहा, 'हमारी राय है कि बाढ़ सीमा और जरूरी पर्यावरण सुरक्षा क्षेत्र तय करने और उनकी सीमा तय करने की वैज्ञानिक प्रक्रिया के दौरान नदी के इकोसिस्टम की ठीक से सुरक्षा के लिए एक अंतरिम, निश्चित और मापने योग्य सुरक्षा क्षेत्र बनाना जरूरी है। इसलिए, हम निर्देश देते हैं कि ऊपर बताई गई गाइडलाइंस के अनुसार, नदी के किनारे से 100 मीटर की दूरी के भीतर किसी भी तरह का निर्माण या विकास कार्य करने की अनुमति नहीं होगी।' कोर्ट के सामने यह 'सुओ मोटो' का मामला तब आया, जब एक डॉक्यूमेंट्री में जोजरी नदी के अंदर जोधपुर, पाली और बाड़मेर जिलों में भारी प्रदूषण का खुलासा हुआ। नवंबर 2025 में कोर्ट ने जोजरी, बांडी और लूनी नदियों की सफाई के लिए एनजीटी के 2022 के निर्देशों को फिर से लागू किया था और राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व जज जस्टिस संगीत लोढ़ा की अध्यक्षता में एक हाई-लेवल इकोसिस्टम निगरानी समिति का गठन किया था। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद जोजरी नदी और उसके आसपास के इलाकों में निर्माण तथा औद्योगिक गतिविधियों को लेकर स्थिति काफी महत्वपूर्ण हो गई है। अदालत ने यह अंतरिम व्यवस्था नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को तत्काल संरक्षण देने के उद्देश्य से

लागू की है। यह प्रतिबंध तब तक प्रभावी रहेगा, जब तक नदी की उच्चतम बाढ़ रेखा और आवश्यक पर्यावरणीय सुरक्षा क्षेत्र का वैज्ञानिक अध्ययन पूरा कर उनका सीमांकन नहीं कर दिया जाता। अदालत ने स्पष्ट किया कि नदी के किनारे से 100 मीटर के भीतर किसी भी प्रकार का निर्माण या विकास कार्य नहीं किया जा सकेगा। इसके साथ ही जहां बाढ़ रेखा पहले से निर्धारित है, वहां उसके दोनों ओर 500 मीटर के दायरे में ऐसे उद्योग या गतिविधियां प्रतिबंधित रहेंगी, जिनसे प्रदूषण, जल दूषित होने या नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को किसी अन्य प्रकार का नुकसान होने की आशंका हो। जहां बाढ़ रेखा निर्धारित नहीं है, वहां यह सुरक्षा दायरा नदी के वर्तमान प्रवाह मार्ग के दोनों ओर लागू होगा। अदालत ने नदी की मौजूदा स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताई है। सुनवाई के दौरान यह सामने आया कि जोजरी नदी और उससे जुड़े नदी तंत्र को लंबे समय से औद्योगिक प्रदूषण तथा अन्य गतिविधियों के कारण नुकसान पहुंचा है। इसी पृष्ठभूमि में अदालत ने वैज्ञानिक आधार पर बाढ़ रेखा और पर्यावरणीय सुरक्षा क्षेत्र तय होने तक एक स्पष्ट और मापने योग्य अंतरिम सुरक्षा क्षेत्र बनाना जरूरी माना। यह मामला उस समय न्यायालय के संज्ञान में आया था, जब जोजरी नदी में प्रदूषण की गंभीर स्थिति को सामने लाने वाली एक वृत्तचित्र सामग्री चर्चा में आई। इसके बाद अदालत ने जोजरी, बांडी और लूनी नदी तंत्र में प्रदूषण तथा पर्यावरणीय क्षरण को लेकर स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले की निगरानी शुरू की। नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण की ओर से वर्ष 2022 में दिए गए नदी सफाई संबंधी निर्देशों को फिर से प्रभावी किया था।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर 29 अगस्त को होगा 'रन फॉर फिट बीकाणा'

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राष्ट्रीय खेल दिवस एवं मेजर ध्यानचंद जयंती के अवसर पर 29 अगस्त को एकलव्य फाउंडेशन एवं क्रीड़ा भारती बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में 'रन फॉर फिट बीकाणा–छठा संस्करण' वॉकथॉन आयोजित होगा। इसका संदेश 'संस्कारयुक्त, नशामुक्त बीकानेर' रहेगा। एकलव्य फाउंडेशन अध्यक्ष दानवीर सिंह भाटी ने बताया कि वॉकथॉन डॉ. करणी सिंह स्टेडियम से शुरू होकर कीर्ति स्तंभ, नगर निगम एवं जूनागढ़ होते हुए कलेक्ट्रेट सर्कल पहुंचेगा। आयोजन में हजारों खिलाड़ी, खेलप्रेमी एवं आमजन भाग लेंगे। विभिन्न खेलों के डेमो भी होंगे। इस अवसर पर बीकानेर के 11 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को 'बीकाणा गौरव अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा। वर्ष 2025 में आयोजन में करीब 5 हजार लोगों ने भाग लिया था। कार्यक्रम का पोस्टर जिला कलेक्टर निशांत जैन एवं पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने जारी किया। आयोजकों ने शहरवासियों से अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर नशामुक्त एवं स्वस्थ बीकानेर के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले इस आयोजन को लेकर शहर में तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

किसानों को घर बैठे मिलेगी उर्वरक बुकिंग की सुविधा

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। किसानों को उनकी वास्तविक आवश्यकता के अनुरूप समय पर एवं सुगमता से उर्वरक उपलब्ध कराने तथा कालाबाजारी, जमाखोरी और अनियमित वितरण पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए राजस्थान सरकार द्वारा शुरू की गई फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल व्यवस्था का प्रदेश में चरणबद्ध विस्तार किया जा रहा है। डिजिटल तकनीक आधारित इस व्यवस्था से उर्वरक की मांग, उपलब्धता और वितरण की पूरी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाया जा रहा है।फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल की प्रगति तथा आगामी चरण में अन्य जिलों में इसके क्रियान्वयन की तैयारियों की समीक्षा के लिए सोमवार को पंत कृषि भवन में आयुक्त कृषि नरेश कुमार गोयल की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। किसान इस टोकन के आधार पर अपने नजदीकी अधिकृत उर्वरक विक्रेता से उर्वरक प्राप्त कर सकेगा।

राजस्थान सोशल वेल्फेयर एसोसिएशन कतर के रक्तदान शिविर में 150 यूनिट रक्त संग्रहित

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। भारत के स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में राजस्थान सोशल वेल्फेयर एसोसिएशन, कतर की ओर से दोहा स्थित कतर नेशनल ब्लड डोनेशन सेंटर में मेगा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में प्रवासी भारतीयों और विशेष रूप से राजस्थानी समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 150 यूनिट रक्तदान किया। शिविर का आयोजन इंडियन कम्युनिटी बेनेवोलेंट फोरम (आईसीबीएफ) और भारतीय दूतावास, कतर के तत्वावधान में किया गया। सुबह से ही रक्तदाताओं में उत्साह नजर आया और बड़ी संख्या में लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। आयोजन के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस को मानव सेवा और जरूरतमंदों की मदद के संकल्प के साथ मनाया गया। राजस्थान सोशल वेल्फेयर एसोसिएशन कतर के अध्यक्ष निजाम खान ने शिविर की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 150 यूनिट रक्त संग्रहित होना राजस्थानी और भारतीय समुदाय के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है और एक व्यक्ति का रक्तदान किसी जरूरतमंद का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राजकुमार जांगिड़ और सेक्रेटरी सबिर खान ने रक्तदाताओं, अतिथियों और सहयोगियों का स्वागत किया तथा कतर के स्वास्थ्य मंत्रालय, कतर नेशनल ब्लड डोनेशन सेंटर, आईसीबीएफ और भारतीय दूतावास के सहयोग के लिए आभार जताया। शिविर के कॉर्डिनेटर रियाज खान घांघू ने कहा कि रक्त किसी फैक्ट्री में नहीं बनता, बल्कि इंसान के शरीर से ही मिलता है। इसलिए जरूरतमंदों की जिंदगी बचाने के लिए सभी को स्वेच्छा से रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। आयोजन समिति ने सभी रक्तदाताओं, चिकित्सकों, मेडिकल स्टाफ, वालंटियर्स और सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

55 किलो 170 ग्राम डोडा पोस्त बरामदगी मामले में परमजीत सिंह को जमानत

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। भानीपुरा थाना क्षेत्र में 55 किलो 170 ग्राम डोडा पोस्त छिल्का बरामदगी के मामले में विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट मामलात) अपर सेशन न्यायाधीश, सरदारशहर ने आरोपी परमजीत सिंह की दूसरी जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। न्यायालय ने एक लाख रुपए का मुचलका और 50-50 हजार रुपए की दो सुदृढ़ जमानतें पेश करने पर आरोपी को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। मामला भानीपुरा थाने में दर्ज एफआईआर संख्या 214/2025 से जुड़ा है। पुलिस के अनुसार 29 दिसंबर 2025 को नाकाबंदी के दौरान सरदारशहर की ओर से आ रही एक कार को रोककर तलाशी ली गई थी। कार की डिग्गी से चार प्लास्टिक के कट्टों में कुल 55 किलो 170 ग्राम डोडा पोस्त छिल्का बरामद होने का दावा किया गया।

तिलकनगर में राजपूत समाज की बैठक, राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर मंथन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। तिलकनगर स्थित तनोट माता मंदिर में राजपूत विचार मंच के तत्वावधान में आगामी नगर निगम पार्षद चुनाव को लेकर सामाजिक बैठक आयोजित हुई। बैठक में 200 से अधिक युवाओं ने भाग लिया। बैठक में समाज की एकजुटता और राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर चर्चा हुई। भाजपा और कांग्रेस से सामान्य सीटों पर योग्य राजपूत प्रत्याशियों को टिकट देने की मांग रखने का निर्णय लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि समाज किसी एक राजनीतिक दल के साथ बंधा नहीं है और सम्मान व प्रतिनिधित्व को प्राथमिकता देगा। राजनीतिक दलों द्वारा अपेक्षाओं की अनदेखी किए जाने पर निर्दलीय प्रत्याशी को सामूहिक समर्थन देने सहित लोकतांत्रिक तरीके से राजनीतिक निर्णय लेने पर भी विचार किया गया। बैठक में यूजीसी से जुड़े मुद्दे को लेकर भी समाजबंधुओं ने नाराजगी जताई। राजपूत विचार मंच के यशवंत सिंह, राजपाल

सिंह, स्वरूप सिंह, नरेंद्र सिंह, भैरू सिंह, श्याम सिंह सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि आगामी नगर निगम चुनाव में समाज को अपनी राजनीतिक भूमिका को लेकर स्पष्ट रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कहा कि केवल संख्या के आधार पर नहीं, बल्कि योग्य और सक्रिय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से समाज की समस्याओं को प्रभावी तरीके से उठाया जा सकता है। इसी उद्देश्य से विभिन्न राजनीतिक दलों के सामने योग्य राजपूत प्रत्याशियों को मौका देने की मांग रखने पर सहमति जताई गई। बैठक में युवाओं की भागीदारी को विशेष महत्व दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि युवा वर्ग को सामाजिक और लोकतांत्रिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। युवाओं से अपील की गई कि वे व्यक्तिगत राजनीतिक पसंद से ऊपर उठकर समाज के व्यापक हित और क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निर्णय लें। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल के साथ स्थायी रूप से जुड़ने के बजाय समाज को अपने मुद्दों और प्रतिनिधित्व के आधार पर राजनीतिक निर्णय लेना चाहिए।

बीकानेर हाउस में दस दिवसीय तीजोत्सव-2026 का समापन, 1.30 करोड़ से अधिक की रिकॉर्ड बिक्री

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में आयोजित दस दिवसीय तीजोत्सव क्राफ्ट एवं फूड मेला सोमवार को पूरे हर्षोल्लास के साथ समाप्त हुआ। इस तीजोत्सव में राजस्थान के विभिन्न अंचलों से आए दस्तकारों, हस्तकलाकारों सहित विविध कलाओं के कलाकारों और खानपान के स्टॉल्स पर लगभग 1 करोड़ 30 लाख रूपये से अधिक की रिकॉर्ड बिक्री हुई। प्रमुख आवासीय आयुक्त रोहित कुमार ने उत्सव में लगे आर्टिजंस के उत्पादों की रिकॉर्ड बिक्री पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने बताया कि इस दस दिवसीय तीजोत्सव में इस बार प्रथम दिन से ही खूब भीड़ देखी गई। राजस्थान के हस्तशिल्प कलाकारों द्वारा बनाए गए उत्पादों, स्वादिष्ट व्यंजनों, सांस्कृतिक संध्याओं और पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं का दर्शकों ने खूब आनंद लिया। रूडा के सलाहकार ओम प्रकाश ने बताया कि मेले में रूडा की तरफ से लगाएं गए 25 राजस्थानी हस्तशिल्प और परिधानों से जुड़े स्टॉल्स पर लगे उत्पादों को आगंतुकों ने काफी पसंद कर खूब खरीदारी की। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष इस दस दिवसीय मेले में रिकॉर्ड बिक्री हुई। राजीविका की अनुपमा सक्सेना ने बताया कि मेले में राजीविका के माध्यम से दिल्ली आए महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित इन कलाकारों द्वारा 15 स्टॉल्स लगाए गए जिनमें हैंडब्लॉक बेडशीट, सूट, साड़ियां, कंगन और ज्वैलरी, मोजड़ियां, लाख की वस्तुएं, चमड़े से बने सामान सहित राजस्थानी व्यंजनों के स्टॉल्स पर खूब बिक्री हुई। जिनका स्वागत स्वयं प्रमख आवासीय आयुक्त रोहित कुमार ने किया।

समाज को आत्मनिर्भर और क्रियात्मक बनाने के प्रयास जरूरी - शेखावत, उज्जैन में 2028 में होगा अगला राजपूताना बिजनेस कॉन्क्लेव

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। समाज को आर्थिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर और व्यावसायिक रूप से सक्षम बनाने के लिए देशभर में क्रियात्मक माहौल तैयार किया जाएगा। पूर्व आईएएस एवं यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउंडेशन के निदेशक राजेंद्र सिंह शेखावत ने अखंड राजपूताना सेवा संघ के तीन दिवसीय कार्यक्रम के समापन अवसर पर यह बात कही। शेखावत ने कहा कि संगठन के बैनर तले आने के बाद सदस्यों को आर्थिक जरूरतों के लिए सरकार पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने कहा कि हजारों करोड़ रुपए की पूंजी से आरबीएन बैंक संस्थान की स्थापना का लक्ष्य है, जिसके लिए कैपिटल सदस्यता शुरू की जाएगी। संस्थान के राजस्थान प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह पचार ने कहा कि संस्थान से होने वाला लाभ सदस्यों को मिलेगा तथा स्टार्टअप में भी निवेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आर्थिक मॉडल के आधार पर संगठन को मजबूत और विकसित किया जाएगा। साथ ही सक्षम लोगों को चिन्हित कर महिलाओं की कैपिटल सदस्यता भी शुरू करने पर जोर दिया। राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष राजवी त्रिभुवन सिंह ने कहा कि लक्ष्य है कि वर्ष 2030 के बाद किसी भी व्यावसायी क्षत्रिय को बैंक कैंपस जाने की आवश्यकता नहीं पड़े। उन्होंने कहा कि आर्थिक लाभ मिलने पर लोग संगठन से दिल से जुड़ेंगे। आने वाले समय में काम मेरिट के आधार पर होगा और प्रत्येक सदस्य की बात सुनी जाएगी। अध्यक्ष आरपी सिंह ने कहा कि वर्ष 2030 के अध्यक्ष की तैयारी वर्ष 2028 से ही शुरू कर दी जाएगी। दो वर्ष तक उनके साथ काम कर उन्हें जिम्मेदारी के लिए तैयार किया जाएगा, ताकि भविष्य में संगठन का कार्य सुचारु और प्रभावी ढंग से चल सके। पूर्व आरएएस एवं अखिल भारतीय क्षत्रिय महासंघ के राजस्थान प्रभारी तथा राजपुताना ऑफिसर्स क्लब के चैन सिंह राठौड़ ने कहा कि इस प्रकार की आर्थिक और सामाजिक पहल देशभर में शुरू होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक दीप से अनेक दीप जलते हैं और सामूहिक प्रयासों से समाज को नई दिशा दी जा सकती है।

राजस्थान/ प्रादेशिक

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य और डबल्यूएचओ इंडिया कंट्री हेड ने राजस्थान की स्वास्थ्य सेवाओं पर की चर्चा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ और विश्व स्वास्थ्य संगठन इंडिया के कंट्री हेड डॉ. यवान हुतीन के मध्य सोमवार को शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में राजस्थान की स्वास्थ्य सेवाओं, स्वास्थ्य वित्तीय सुरक्षा तथा भविष्य में तकनीकी सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ के साथ बैठक में राजस्थान सरकार और डबल्यूएचओ के बीच रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। डबल्यूएचओ की टेक्निकल सपोर्ट यूनिट के माध्यम से राज्य को तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने तथा भविष्य में संयुक्त रूप से किए जा सकने वाले कार्यों के संभावित क्षेत्रों पर भी चर्चा हुई। संभावित सहयोग के क्षेत्रों में स्वास्थ्य कर्मियों एवं अधिकारियों की क्षमता निर्माण, रोग निगरानी व्यवस्था को मजबूत करना, स्वास्थ्य प्रणालियों का सुदृढ़ीकरण तथा स्वास्थ्य वित्तीय सुरक्षा से जुड़े सुधारों के लिए तकनीकी सहयोग शामिल हैं।

दोनों पक्षों ने तकनीकी विशेषज्ञता और अनुभवों के आदान-प्रदान के माध्यम से राजस्थान की स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, मजबूत और जन-केंद्रित बनाने की संभावनाओं पर चर्चा की।

इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा,आयुक्त बाबूलाल गोयल एवं डबल्यूएचओ की हेल्थ सिस्टम्स स्ट्रेंथनिंग टीम की वरिष्ठ अधिकारी डॉ. ग्रेस अचुनगुरा भी उपस्थित रहीं। बैठक में राजस्थान में संचालित स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं सुधारों की प्रगति तथा राज्य और डबल्यूएचओ के बीच सहयोग को अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

इससे पहले डॉ. हुतीन ने राजस्थान के स्वास्थ्य क्षेत्र का दौरा कर मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत उपलब्ध कराई जा रही कैशलेस उपचार व्यवस्था और स्वास्थ्य वित्तीय सुरक्षा की जानकारी ली। उन्होंने जयपुर स्थित महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का दौरा किया, जो मा योजना के तहत सूचीबद्ध है। उन्होंने अस्पताल में लाभार्थियों को दी जा रही कैशलेस उपचार सुविधा तथा मरीज के पंजीकरण से लेकर उपचार और क्लेम प्रक्रिया तक की पूरी व्यवस्था का अवलोकन किया।

जयपुर नगर निगम की कार्रवाई, 1,500 रुपये कैरिंग चार्ज वसूला, 9 केन्टर सामान जब्त

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में सोमवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में किसान भवन लालकोठी सब्जीमण्डी, दुर्गापुरा पुलिया के नीचे, आरयूएसएच गेट नंबर 3 के सामने, द्वारकापुरी सर्किल, 7 नंबर बस स्टेण्ड, पटेलमार्ग, मध्यम मार्ग वीटी रोड़, वरूणपथ मानसरोवर, कच्चीबस्ती त्रिवेणी नगर एवं हयात होटल के पास मुहाना मण्डी रोड़ आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 1 हजार 500 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 9 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में किसान भवन लालकोठी सब्जीमण्डी, दुर्गापुरा पुलिया के नीचे, आरयूएसएच गेट नंबर 3 के सामने, द्वारकापुरी सर्किल, 7 नंबर बस स्टेण्ड, पटेलमार्ग, मध्यम मार्ग वीटी रोड़, वरूणपथ मानसरोवर, कच्चीबस्ती त्रिवेणी नगर एवं हयात होटल के पास मुहाना मण्डी रोड़ आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण को हटवाया गया।

सड़क सुरक्षा नियमों की पालना से टल सकती हैं दुर्घटनाएं

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत प्रादेशिक परिवहन अधिकारी दौसा के निर्देशानुसार सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग, दौसा में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में परिवहन निरीक्षक झाबर सिंह धायल ने विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए सुरक्षित वाहन संचालन के प्रति जागरूक किया। निरीक्षक धायल ने कहा कि अनुशासित चालक ही सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं को टाल सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को ओवरस्पीड एवं ओवरक्राउडिंग से बचने, नशे अथवा अत्यधिक थकावट की स्थिति में वाहन नहीं चलाने तथा आवश्यक विश्राम करने की सलाह दी। साथ ही वाहन में उपलब्ध सुरक्षा संसाधनों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सड़क पर सुरक्षित सफर के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच हैं। वाहन संचालन के दौरान धैर्य बनाए रखना चाहिए तथा आगे, पीछे और साइड से चलने वाले वाहन चालकों की छोटी-छोटी गलतियों को नजरअंदाज कर संयम के साथ वाहन चलाना चाहिए।

उदयपुर में राजस्थान नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन का संभागीय अधिवेशन संपन्न

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर। राजस्थान नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन की जिला इकाई उदयपुर एवं नगर निगम कर्मचारी संघ उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को जिला संभागीय अधिवेशन का आयोजन नगर निगम स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में किया गया। अधिवेशन में उदयपुर जिले सहित पूरे संभाग के नगरीय निकायों से आए कर्मचारी प्रतिनिधियों, संगठन पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लेकर सेवा संबंधी समस्याओं, कार्य परिस्थितियों और आगामी रणनीतियों पर विस्तृत मंथन किया। अधिवेशन के प्रमुख विचार और वक्ताओं के संबोधन हक और अधिकारों की रक्षाः फेडरेशन के पूर्व उपाध्यक्ष सोमेश्वर मीना ने कहा कि अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य नगर पालिका एवं नगर निगम कर्मचारियों को संगठनात्मक रूप से एकजुट करना है। फेडरेशन कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत है। सेवा संबंधी चुनौतियों पर चर्चाः प्रदेश मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि कार्यक्रम में निकाय स्तर पर कर्मचारियों के समक्ष आने वाली चुनौतियों, सेवा शर्तों और सांगठनिक मजबूती पर चर्चा हुई।

आंखों की रोशनी से जीवन में रोशनी, सेवा के साथ DCF ने मनाई अपनी 6वीं वर्षगांठ

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भरतपुर। दस्तक छांव फाउंडेशन (डीसीएफ) ने अपनी 6वीं वर्षगांठ को सेवा और जनहित के संकल्प के साथ मनाते हुए खडेरा ग्राम पंचायत में निःशुल्क नेत्र जांच एवं उपचार शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में खडेरा सहित आसपास के 4 गांवों के ग्रामीणों ने भाग लिया। शिविर में 200 से अधिक नेत्र रोगियों की जांच की गई। जांच के उपरांत जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक दवाइयां फाउंडेशन की ओर से निःशुल्क प्रदान की गईं। वहीं, जिन मरीजों में ऑपरेशन की आवश्यकता पाई गई, उन्हें डॉ. श्रोफ अस्पताल, वृंदावन के लिए भेजा गया है। ऑपरेशन के लिए मरीजों को अस्पताल तक लाने-ले जाने, भोजन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं डॉ. श्रोफ अस्पताल की टीम की ओर से निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि लोगों के जीवन में आंखों की रोशनी के साथ उम्मीद और आत्मविश्वास की रोशनी लाना ही इस विशेष दिन को मनाने का सबसे सार्थक तरीका है।

नगर निकाय चुनावों को लेकर RLP ने तेज की तैयारियां, हनुमान बेनीवाल ने कार्यकर्ताओं से की चर्चा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

नागौर। नागौर आगामी नगर निकाय चुनावों को लेकर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (RLP) ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में आरएलपी सुप्रीमो व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने सोमवार को नागौर स्थित अपने आवास पर नागौर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों के नगरीय क्षेत्रों से आए जनप्रतिनिधियों, पार्टी कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं आमजन से मुलाकात की और आगामी नगर निकाय चुनावों को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान विभिन्न नगरीय क्षेत्रों से आए लोगों ने स्थानीय स्तर पर जनसमस्याओं, नगर निकायों से जुड़े मुद्दों तथा आगामी चुनाव की तैयारियों को लेकर सांसद बेनीवाल को अवगत करवाया। सांसद ने कहा कि नगर निकाय चुनावों में RLP जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए मजबूती के साथ मैदान में उतरेगी और आमजन की आवाज को नगर निकायों तक पहुंचाने का काम करेगी।

मुलाकात के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों एवं सामाजिक पृष्ठभूमि से जुड़े कई लोगों ने राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की विचारधारा एवं सांसद हनुमान बेनीवाल के संघर्षों से प्रभावित होकर RLP की सदस्यता ग्रहण की। सांसद बेनीवाल ने सभी नए सदस्यों का पार्टी परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि उनके जुड़ने से संगठन को और मजबूती मिलेगी। बैठक के दौरान विभिन्न शहरों और कस्बों से आए लोगों ने सड़क, नाली, पेयजल, सफाई, जलभराव, रोशनी और यातायात जैसी स्थानीय समस्याओं की जानकारी दी।

दांता नगर पालिका चुनाव को लेकर भाजपा ने तेज की तैयारियां, 25 वार्डों में संभावित प्रत्याशियों का सर्वे

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दांतारामगढ़। दांता नगरपालिका चुनाव 2026 को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में सोमवार को दांता के सांवरिया मैरिज गार्डन में भाजपा का महत्वपूर्ण कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों, पूर्व पार्षदों, संभावित प्रत्याशियों सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक में नगर निकाय चुनाव दांता के प्रभारी नटवर व्यास, विधानसभा संगठन प्रभारी जितेंद्र सिंह कारंगा, भाजपा नेता एवं विधानसभा प्रत्याशी गजानंद कुमावत तथा एसटी मोर्चा जिला अध्यक्ष विनोद मीणा ने कार्यकर्ताओं से चुनावी तैयारियों को लेकर फीडबैक लिया। इस दौरान दांता नगर पालिका के सभी 25 वार्डों की स्थिति, संभावित उम्मीदवारों की दावेदारी और संगठन की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। भाजपा चुनाव प्रभारी नटवर व्यास ने बताया कि दांता नगर पालिका के सभी 25 वार्डों में संभावित प्रत्याशियों को लेकर सर्वे किया जा रहा है। वार्डवार कार्यकर्ताओं और स्थानीय पदाधिकारियों से संभावित उम्मीदवारों की स्थिति, लोकप्रियता और मजबूत दावेदारों को लेकर फीडबैक लिया जा रहा है। पार्टी की ओर से प्रत्येक वार्ड में जीत की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। बैठक के दौरान टिकट के संभावित दावेदारों को भी एक-एक करके बंद कमरे में बुलाकर चर्चा की गई। संबंधित वार्ड में उनकी दावेदारी, कार्यकर्ताओं के बीच पकड़ और चुनावी स्थिति को लेकर फीडबैक लिया गया। भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि प्रत्याशी चयन में संगठनात्मक गतिविधियों के साथ-साथ वार्ड की स्थानीय परिस्थितियों को भी ध्यान में रखा जाएगा। बैठक में भाजपा नेताओं ने कार्यकर्ताओं से आगामी नगर पालिका चुनाव में पूरी एकजुटता के साथ काम करने का आह्वान किया। नेताओं ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य दांता नगर पालिका में बहुमत के साथ भाजपा का बोर्ड बनाना है। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को आपसी समन्वय के साथ संगठन को मजबूत करने और प्रत्येक वार्ड में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया गया।

बीजवाड़ और गुर्जरों की ढाणी में 38 लाख रुपए के विकास कार्यों का शुभारंभ

एजेंसी, थिंक राजस्थान

मुंडावर। मुंडावर विधायक ललित यादव ने विधानसभा क्षेत्र के गांव बीजवाड़ और गुर्जरों की ढाणी में रविवार को करीब 38 लाख रुपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत शुभारंभ किया । इस दौरान विधायक ने ग्रामीणों की मौजूदगी में विकास कार्यों का शुभारंभ करते हुए क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और विकास को प्राथमिकता देने की बात कही गई। विकास कार्य पूर्ण होने के बाद ग्रामीणों को बेहतर सड़क एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का लाभ मिलेगा। ग्रामीणों ने विकास कार्यों की स्वीकृति और शुभारंभ पर आभार जताते हुए क्षेत्र में आगे भी विकास कार्य करवाने की मांग रखी। इस मौके पर जिला पार्षद भीमराज यादव,सरपंच श्रीचंद सैनी, अमरसिंह सैनी, गोपीचंद एवं समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे।

मेहराणा में रक्तदान शिविर, युवाओं ने दिखाया उत्साह, 251 यूनिट रक्त संचित

एजेंसी, थिंक राजस्थान

ग्राम मेहराणा स्थित कल्याण ग्रुप ऑफ एजुकेशन परिसर में सोमवार को एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। संस्था निदेशक स्व. उमेश सिंह राजपुरोहित की पावन स्मृति में आयोजित इस शिविर में युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए कुल 251 यूनिट रक्तदान किया। एकत्र किया गया रक्त अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं जनाना अस्पताल की मेडिकल टीमों को सौंपा गया। शिविर में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित भाजपा नेता भीमसिंह किनसरियां ने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा, रक्तदान केवल एक कार्य नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। हमारे द्वारा दिया गया रक्त किसी का जीवन बचा सकता है। समाज में रक्तदान को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर कर हर नागरिक को नियमित रूप से आगे आना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सतीश जाटव ने कहा, आपातकालीन स्थितियों में मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

युवाओं की यह पहल प्रेरणादायक है और ऐसे आयोजनों से जरूरतमंदों को नया जीवन मिलता है। समारोह की शुरुआत में निदेशक भूमिका सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में संस्थान के स्टाफ ने अतिथियों का साफा एवं माला पहनाकर भावभिना स्वागत किया। कार्यक्रम में बागोट गौशाला के महंत गोपालदास महाराज, पूर्व प्रधान जसवंत सिंह थाटा, प्रशासक मांगीलाल चोयल, रामदेव साहू, श्रवण सिंह आँतरोली, प्रधानाचार्य रफीक मोहम्मद, शमीम बानो, सुखविंदर सिंह, सुनीता देवी, भगवती देवी, महेंद्र कुमावत, गजेंद्र गोदारा, पुखराज सिंह, रामलाल राजपुरोहित, लक्ष्मणराम, वीरेंद्र सिंह और रतन सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मंच का सफल संचालन सतीश कुमार ने किया। शिविर के समापन पर सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सोलर सिस्टम के लिए लोड क्षमता बढ़ाने की एवज में JVVNL का कनिष्ठ अभियंता 3,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) की जयपुर नगर चतुर्थ इकाई ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (JVVNL) सब स्टेशन रामगंज में पदस्थापित कनिष्ठ अभियंता (JEN) मनोज कुमार को 3,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी एक निजी कंपनी के ग्राहक के घरेलू विद्युत कनेक्शन पर सोलर पैनल लगाने हेतु लोड क्षमता बढ़ाने की एवज में रिश्वत की मांग कर रहा था। परिवादी ने एसीबी चौकी जयपुर नगर चतुर्थ में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी कंपनी 'सोलर रिथम एनर्जी सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड' के एक ग्राहक के आवासीय विद्युत कनेक्शन पर 10 किलोवाट का सोलर सिस्टम स्थापित किया जाना है। इसके लिए विद्युत विभाग से लोड क्षमता बढ़वाने की फाइल आगे बढ़ाने की एवज में कनिष्ठ अभियंता मनोज कुमार ने 14 अगस्त 2026 को 5,000 रुपये रिश्वत की मांग की थी। बाद में बातचीत के दौरान आरोपी 3 से 4 हजार रुपये लेने पर सहमत हुआ। शिकायत के सत्यापन के उपरांत उप महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश मीणा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक रामजी लाल मय टीम ने 24 अगस्त 2026 को ट्रैप कार्रवाई की। टीम ने आरोपी कनिष्ठ अभियंता मनोज कुमार को परिवादी से 3,000 रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों धर दबोचा और रिश्वत की रकम बरामद कर ली। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है। मामले में अन्य संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका को लेकर भी पूछताछ जारी है। कार्रवाई के बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने आरोपी कनिष्ठ अभियंता से रिश्वत की मांग और राशि स्वीकार करने से जुड़े पहलुओं को लेकर पूछताछ शुरू की। जांच एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि रिश्वत की मांग केवल आरोपी के स्तर पर की गई थी या इस मामले में किसी अन्य अधिकारी अथवा कर्मचारी की भी भूमिका थी। इसी आधार पर मामले से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि परिवादी की ओर से घरेलू विद्युत कनेक्शन पर सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करने के लिए विद्युत भार बढ़ाने की प्रक्रिया कराई जा रही थी। इसी प्रक्रिया में फाइल आगे बढ़ाने के नाम पर रिश्वत मांगे जाने का आरोप लगाया गया।

प्रवासी कुमावत क्षत्रिय समिति उदयपुर का भव्य स्नेह मिलन समारोह : खेल स्पर्धाओं में बच्चों और महिलाओं ने दिखाया उत्साह

एजेंसी, थिंक राजस्थान

मंडावराउदयपुर। प्रवासी कुमावत क्षत्रिय समिति, उदयपुर के तत्वावधान में 23 अगस्त 2026 को बड़बड़ेश्वर महादेव प्रांगण में वार्षिक सामूहिक स्नेह मिलन समारोह (पिकनिक) का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ समिति के संरक्षक परमेश्वर लाल मंडावरा एवं गुलाब कुमावत ने दीप प्रज्वलन कर तथा कार्यक्रम में पधारे सभी प्रबुद्ध समाजजनों, माताओं-बहनों एवं बाल-बालिकाओं का हार्दिक स्वागत व अभिनंदन करके किया। महामंत्री मोहन लाड़नवा ने बताया कि कार्यक्रम को मनोरंजक और यादगार बनाने के लिए विभिन्न खेल कूद एवं सांस्कृतिक स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ एवं गणमान्य बंधु बी. डी. कुमावत, देवी प्रसाद कुमावत, जितेंद्र सिंह आर्य, गिरधारी लाल, रमेश चन्द कुमावत, अशोक कुमावत, मनीष कुमावत एवं श्यामलाल कुमावत सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

मनोरंजन समाचार

बॉलीवुड में पहली बार ऐसा प्रयोग, अक्षय कुमार ला रहे एलियन सर्वाइवल थ्रिलर 'समुक'

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने अपनी बहुप्रतीक्षित और नए विषय पर आधारित फिल्म 'समुक' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू कर दी है। इस प्रोजेक्ट के जरिए अक्षय सिनेमा के एक बिल्कुल नए और अनोखे जॉनर में कदम रख रहे हैं। फिल्म में एलियन सर्वाइवल, खौफनाक माहौल और जबरदस्त एक्शन का ऐसा मेल देखने को मिलेगा जो भारतीय दर्शकों के लिए एक नया अनुभव होगा। इस फिल्म को पैन-इंडिया स्तर पर बड़े पर्दे के लिए बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है। कनिष्क वर्मा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का निर्माण विपुल अमृतलाल शाह कर रहे हैं, जबकि आशिन ए शाह इसके सह-निर्माता हैं। फिल्म 'समुक' की पटकथा और इसकी काल्पनिक दुनिया पर पिछले दो सालों से अधिक समय से काम चल रहा था। मेकर्स एक ऐसी कहानी को बड़े पर्दे पर उतारने की कोशिश में हैं जिसमें सेना का वास्तविक वातावरण (मिलिट्री रियलिज्म), सर्वाइवल हॉरर का खौफ और साइंस-फिक्शन की एलियन पौराणिक कथाओं का बेजोड़ संगम हो। हालांकि फिल्म की पूरी कहानी को अभी गुप्त रखा गया है, लेकिन यह साफ है कि इसकी पटकथा एक ऐसी खतरनाक स्थिति के इर्द-गिर्द घूमती है जहां इंसान का सामना अज्ञात एलियन ताकतों से होता है। लगभग 13 साल के लंबे अंतराल के बाद वे एक बार फिर अक्षय कुमार के साथ किसी प्रोजेक्ट के लिए साथ आए हैं। मशहूर ब्रिटिश एक्शन डायरेक्टर ल्यूक टंबर फिल्म के स्टंट और कॉम्बैट सीन्स का निर्देशन कर रहे हैं।

आकांक्षा चमोला हुईं घायल, घुटने-पसलियों में लगी चोट, बताया कैसे हुआ हादसा

आकांक्षा चमोला का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे देखने के बाद फैंस उनके जल्द ठीक होने की दुआ कर रहे हैं। हाल ही में एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला को मुंबई में देखा गया। ब्लू कलर की ड्रेस पहने आकांक्षा ने न सिर्फ अपने लुक से, बल्कि अपने बाएं पैर पर लगी चोट से भी लोगों का ध्यान खींचा। इस दौरान पैपराजी से बात करते हुए, उन्होंने पैपराजी को बताया कि उनके घुटने-पसलियों में चोट लगी है। उन्होंने मजाक में कहा कि उन्हें ये मामूली चोटें घर पर लगी है। एक दूसरे वीडियो में उन्हें गौरव खन्ना के बारे में भी बात करते देखा जा सकता है। पैपराजी ने जब आकांक्षा चमोला से पूछा कि क्या हुआ तो उन्होंने मजाक में कहा, 'घुटना गया, पसलियां गईं।' जब पैपराजी ने उनसे और सवाल पूछे कि उन्हें ये चोटें कैसे लगीं तो आकांक्षा ने मजाकिया अंदाज़ में कहा, 'ये मेरे घर पर स्टंट करते हुए हुआ।' वीडियो में आकांक्षा लाइट ब्लू कलर की शॉर्ट ड्रेस और व्हाइट हील्स पहने हुए नजर आईं। कई लोग सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ कर रहे हैं कि चोट लगने के बावजूद, 'लॉक अप 2' स्टार ने हिम्मत नहीं हारी और अपना काम करने में लगी हुई हैं। वायरल भयानी के दूसरे वीडियो में आकांक्षा चमोला ने गौरव खन्ना के बारे में भी बात की। पैपराजी ने जब एक्ट्रेस से कहा कि बेचारा बाबू मिस कर रहा है तो आकांक्षा ने कहा, 'बाबू कहां मिस कर रहा है। बाबू तो सारे इंटरव्यू मेरे खिलाफ दे रहा है।' आकांक्षा चमोला हाल ही में 'लॉक अप 2' में अपने पति गौरव खन्ना से अलग होने की घोषणा के बाद सुर्खियों में रहीं हैं। 2016 में शादी करने वाला यह जोड़ा लगभग एक साल से अलग रह रहा था। शो के प्रीमियर पर आकांक्षा ने खुलासा किया कि वे तलाक लेने जा रहे हैं। बाद में उन्होंने खुलासा किया कि अलग होने का फैसला आपसी था और तलाक की प्रक्रिया चल रही थी। आकांक्षा ने ऐसे आरोपों से इनकार किया है।

करीना कपूर ने प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर दिया रिएक्शन, जानिए क्या बोलीं एक्ट्रेस

करीना कपूर हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी तीसरी प्रेग्नेंसी की लेकर चल रही अटकलों के कारण सुर्खियों में हैं। बेबो ने शनिवार को इंस्टाग्राम हैंडल पर प्रेग्नेंसी की इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया साझा की, जिसे पढ़कर आप हंसते-हंसते लोटपोट हो जाएंगे। करीना ने स्टोरीज सेक्शन में एक मजेदार इंस्टाग्राम पोस्ट को दोबारा शेयर किया, जिसमें एक आदमी अपने फूले हुए पेट के साथ पोज देता नजर आ रहा है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'हट ना बे'। बता दें कि न्यूयॉर्क में छुट्टियां मनाते समय करीना कपूर के पति सैफ अली खान के साथ उनके तीसरे बच्चे की उम्मीद की अटकलें भी सामने आई थीं।

आसिम रियाज को हिमांशी खुराना का जवाब, सबूत दिखाने को तैयार, रिश्ते में हिंसा का दावा

टीवी एक्ट्रेस हिमांशी खुराना ने अपने एक्स-बॉयफ्रेंड आसिम रियाज के उस दावे का जवाब दिया है, जिसमें उन्होंने अपने रिश्ते को लेकर चल रहे विवाद के बीच सबूत शेयर करने की बात कही है। हिमांशी ने कहा कि वह धर्म परिवर्तन के मामले से जुड़े फेक्ट और सबूत पेश करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आसिम के साथ रिश्ते के दौरान उन्हें हिंसा का सामना करना पड़ा था। हिमांशी ने सोशल मीडिया पर एक लंबा नोट शेयर किया। उन्होंने कहा कि अपनी पर्सनल लाइफ, बिग बॉस का एक्सपीरिएंस, आध्यात्मिक यात्रा और सेहत से जुड़ी बातों के बारे में उन्होंने हमेशा सम्मान और समझदारी के साथ बात की है। इसके पहले 23 अगस्त को आसिम रियाज ने एक पोस्ट के जरिए हिमांशी खुराना के दावे को झूठा बताया था। हिमांशी खुराना ने आगे कहा कि उन्होंने अपनी जिंदगी के इन पहलुओं के बारे में ईमानदारी से बात की है और कभी भी इनका इस्तेमाल किसी का अपमान करने या किसी को निशाना बनाने के लिए नहीं

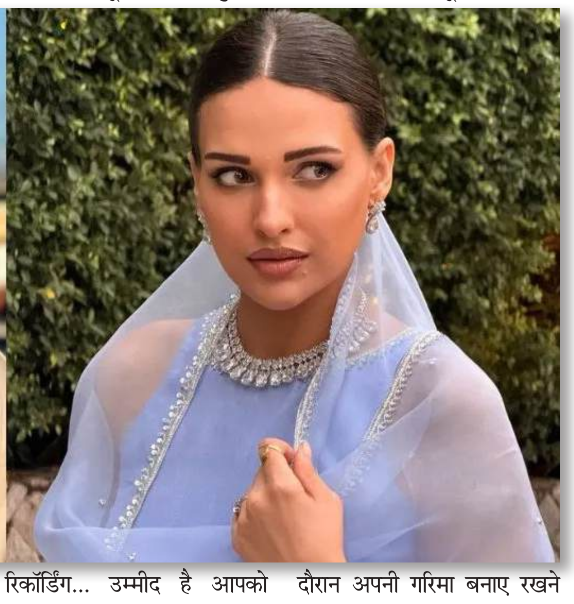

किया है। हिमांशी खुराना का कहना है कि उन्होंने कभी भी जबरदस्ती धर्म परिवर्तन शब्द का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने लिखा, 'मैंने कभी नहीं कहा कि जबरदस्ती धर्म परिवर्तन हुआ था। लोगों और मीडिया ने यह नैरेटिव बनाया है।' हालांकि, एक्ट्रेस ने दावा किया कि उनके पास इस मामले से जुड़े सबूत हैं और कहा कि अगर बातचीत सबूतों पर ही केंद्रित रहती है तो वह उन्हें शेयर करने के लिए तैयार हैं। हिमांशी ने लिखा, 'अगर हम सबूतों की बात करने जा रहे हैं तो चलिए हर चीज पर बात करते हैं। मैं धर्म परिवर्तन से जुड़े मामले और मेरे साथ हुई हिंसा से जुड़े तथ्य और सबूत (CCTV फुटेज, रिकॉर्डिंग... उम्मीद है आपको 27.11.23 की वह सुबह याद होगी) शेयर करने के लिए तैयार हूं।' हिमांशी ने आगे कहा कि अगर उन्हें लगा कि उनकी छवि खराब की जा रही है तो वह अब चुप नहीं रहेंगी और न ही अपने एक्स पार्टनर का बचाव करेंगी। उन्होंने दावा किया कि पूरी स्थिति के दौरान अपनी गरिमा बनाए रखने के बावजूद उन्हें बार-बार अपमान और बेइज्जती का सामना करना पड़ा है। एक्ट्रेस ने यह भी लिखा, 'अलग-अलग प्रोडक्शन हाउस और चैनलों के लोगों ने तुम्हारी घटिया हरकतों को छिपाया, लेकिन अब मैं वैसी नहीं हूं।' हिमांशी ने कहा कि उन्होंने हमेशा सम्मान दिया है और बदले में भी वही उम्मीद करती हैं। उन्होंने कहा, 'अगर उस सम्मान का वैसा ही जवाब नहीं मिलता है तो मेरे पास अब चुप रहने का कोई कारण नहीं है।' हिमांशी खुराना ने आसिम को इस मामले पर तथ्यों, जवाबदेही और पूरी सच्चाई के साथ बात करने की चुनौती भी दी। आखिर में हिमांशी ने सवाल किया कि उन्हें अपने अनुभव के बारे में खुलकर बात करने की आजादी क्यों नहीं होनी चाहिए? उन्होंने लिखा, 'मुझे सच में समझ नहीं आता कि जब मैं अपनी यात्रा और लर्निंग के बारे में बताती हूं तो लोगों को क्या परेशानी होती है, जबकि बाकी सब अपने अनुभवों के बारे में खुलकर बात करते हैं।'

वाणी कपूर बर्थडे स्पेशल : दिल्ली की लड़की का रेस्टोरेंट से रेड कार्पेट और बॉलीवुड तक सफर

एक मिडिल क्लास परिवार से आकर बॉलीवुड तक का सफर तय करना और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में नाम बनाना आसान नहीं है, लेकिन वाणी कपूर ने ऐसा कर दिखाया है। हालांकि, बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक वाणी कपूर के लिए यह रास्ता बिल्कुल भी आसान नहीं था। इस सफर में वाणी को कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। अभिनेत्री का जन्म 23 अगस्त 1988 को दिल्ली में एक पंजाबी परिवार में हुआ था। उनके पिता शिव कपूर फर्नीचर एक्सपोर्ट के एक बिजनेसमैन हैं और मां डिंपी कपूर पेशे से एक मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव के साथ शिक्षिका रही हैं। वाणी ने अपनी पढ़ाई-लिखाई दिल्ली से ही पूरी की है। उन्होंने दिल्ली के इग्नू विश्वविद्यालय से टूरिज्म में ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त की। पढ़ाई के दौरान ही अभिनेत्री ने होटल मैनेजमेंट की ओर रुख किया और जयपुर के एक होटल में इंटर्नशिप करने लगीं। इसके बाद उन्होंने एक अन्य होटल में भी कुछ समय के लिए काम किया। होटल में काम करने के दौरान उनकी जान-पहचान एक मॉडलिंग एजेंसी से हुई। उनकी लंबी हाइट और आकर्षक व्यक्तित्व को देखकर एजेंसी ने उन्हें मॉडलिंग के लिए साइन किया। अभिनेत्री के जीवन में यह एक ऐसा टर्निंग पॉइंट रहा, जहां उनके करियर ने रेस्टोरेंट से रेड कार्पेट की ओर रुख किया। शुरुआत में उन्होंने कई बड़े फैशन डिजाइनर्स के लिए रैंप वॉक करने के साथ विज्ञापनों में भी काम किया। इन कामों से उनका चेहरा पहचान में आने लगा और फिर उन्होंने वर्ष 2013 में यशराज फिल्म्स की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'शुद्ध देसी रोमांस' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की। अपनी पहली फिल्म में कमाल के प्रदर्शन के बलबूते अभिनेत्री ने बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर पुरस्कार हासिल किया। डेब्यू फिल्म के बाद उन्होंने ऋतिक रोशन, अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, रणबीर कपूर से लेकर इंडस्ट्री के कई प्रमुख कलाकारों के साथ काम किया। उनकी कुछ प्रमुख फिल्मों की बात करें तो उनमें 'बेफिक्रे', 'वॉर', 'चंडीगढ़ करे आशिकी', 'बेल बॉटम', 'रेड 2' और 'शमशेर' आदि शामिल हैं। वाणी कपूर का फिल्मी सफर केवल एक सफल अभिनेत्री बनने की कहानी नहीं है, बल्कि यह उस संघर्ष की भी मिसाल है जिसमें एक साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाली लड़की ने अपनी मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर मनोरंजन जगत में पहचान बनाई। होटल उद्योग में काम करने से लेकर मॉडलिंग और फिर बड़े पर्दे तक पहुंचने का उनका सफर कई उतार-चढ़ाव से भरा रहा। मॉडलिंग के दौरान वाणी ने कई नामी फैशन डिजाइनरों के लिए काम किया और विभिन्न विज्ञापन अभियानों का हिस्सा बनीं। कैमरे के सामने उनके आत्मविश्वास और व्यक्तित्व ने जल्द ही लोगों का ध्यान आकर्षित किया। इसी दौरान उन्हें फिल्मों में काम करने का अवसर मिला और यशराज फिल्म्स की फिल्म से उनके अभिनय करियर की शुरुआत हुई। वर्ष 2013 में प्रदर्शित 'शुद्ध देसी रोमांस' में वाणी कपूर ने तारा की भूमिका निभाई। फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। पहली ही फिल्म में प्रभावी प्रदर्शन के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ महिला पदार्पण का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। यह उपलब्धि उनके लिए इसलिए भी खास थी क्योंकि अभिनय की दुनिया में उन्होंने बिना किसी बड़े फिल्मी परिवार की पृष्ठभूमि के कदम रखा था। पहली फिल्म की सफलता के बाद वाणी ने अलग-अलग तरह की भूमिकाओं को आजमाने की कोशिश की। वर्ष 2016 में वह 'बेफिक्रे' में रणवीर सिंह के साथ नजर आईं। फिल्म में उन्होंने आधुनिक और बेबाक युवती की भूमिका निभाई। इस भूमिका में उन्होंने अपने अभिनय के साथ-साथ नृत्य और पर्दे पर आत्मविश्वास से भी दर्शकों का ध्यान खींचा। वाणी ने इसके बाद अलग विषयों पर बनी फिल्मों में भी काम किया। 'चंडीगढ़ करे आशिकी' में उन्होंने एक संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाई। इस फिल्म के जरिए उन्होंने अपनी अभिनय क्षमता के दूसरे पक्ष को सामने रखने की कोशिश की।

गुजराती फिल्म के लिए अकांक्षा पुरी ने सीखी गुजराती, बोलीं- 'सिर्फ डायलॉग बोलना नहीं, उसकी संस्कृति समझना भी जरूरी'

अभिनेत्री अकांक्षा पुरी जल्द ही गुजराती फिल्म में खास भूमिका निभाती हुई नजर आने वाली हैं। इस भूमिका के लिए उन्होंने गुजराती भाषा सीखने के साथ-साथ वहां की संस्कृति और बोलने के अंदाज को समझने की कोशिश की है। आकांक्षा का कहना है कि जब कोई कलाकार किसी नई भाषा और संस्कृति का हिस्सा बनता है, तो उसे उस माहौल को सही तरीके से समझना चाहिए, तभी पर्दे पर उसका काम स्वाभाविक लगेगा। आईएएनएस से बातचीत में अकांक्षा ने बताया कि वह अपनी खास भूमिका में गुजराती रंग को सही तरीके से दिखाना चाहती थीं। इसलिए उन्होंने खुद भाषा और वहां के बोलने के तरीके को समझने की कोशिश की। अकांक्षा ने कहा, ''मैं गुजराती रंग को सही तरीके से दिखाना चाहती थी और सिर्फ वही नहीं करना चाहती थी, जो मुझे बताया गया था। मुझे लगता है कि जब आप किसी नई भाषा और संस्कृति में कदम रखते हैं तो उसे ठीक से समझने की कोशिश करनी चाहिए।'' आगामी गुजराती फिल्म में अकांक्षा की खास मौजूदगी को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म में उनका किरदार क्या होगा और कहानी में उनकी भूमिका कितनी बड़ी होगी, इसे फिलहाल सीक्रेट रखा गया है। यह भूमिका भी उनके लिए काफी अलग थी।

अनुपम खेर ने यश को बताया असाधारण प्रतिभा वाला कलाकार, बोले- 'उन्होंने रॉकी के किरदार में जान डाल दी थी'

अभिनेता अनुपम खेर ने हाल ही में कन्नड़ सुपरस्टार यश से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर यश के साथ तस्वीरें शेयर कीं और उनके अभिनय सफर की जमकर तारीफ की। खास तौर पर उन्होंने यश के 'केजीएफ' फ्रेंचाइजी में निभाए गए रॉकी के किरदार को याद किया और बताया कि इस दमदार किरदार के पीछे उन्हें एक समझदार इंसान नजर आए। अनुपम खेर ने यश से मुलाकात को बेहद खास बताया, साथ ही उन्हें असाधारण प्रतिभा वाला कलाकार कहा। उन्होंने कहा, ''मैं लंबे समय से यश के सफर को करीब से देखता और पसंद करता आया हूं। खासकर 'केजीएफः चैप्टर 1' और 'केजीएफः चैप्टर 2' में रॉकी के किरदार को जिस तरह यश ने पर्दे पर पेश किया, उससे मैं काफी प्रभावित हूं।'' अनुपम खेर ने आगे कहा, ''यश ने सिर्फ रॉकी का किरदार निभाया नहीं था, बल्कि उसमें अपनी जान डाल दी थी। उन्होंने रॉकी को एक अलग आत्मा, अपना अंदाज और ऐसी पहचान दी, जिसे भारतीय सिनेमा में लंबे समय तक याद किया जाएगा। रॉकी के किरदार में यश की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस, स्टाइल और डायलॉग बोलने के अंदाज ने दर्शकों के बीच उन्हें एक अलग पहचान दिलाई।'' अनुपम खेर आगे बताया, ''पर्दे पर बेहद शक्तिशाली और रौबदार नजर आने वाले यश के पीछे मुझे एक गर्मजोशी से भरा, जमीन से जुड़ा और सोचने-समझने वाला इंसान देखने को मिला। हमारी मुलाकात एक स्टूडियो में हुई, जहां फिल्मों के अलावा जिंदगी से जुड़े कई विषयों पर बातचीत हुई।'' अनुपम खेर ने कहा, ''हमने माता-पिता, परिवार, सपनों और जिंदगी के उन अनुभवों के बारे में बात की, जो किसी इंसान को धीरे-धीरे आकार देते हैं। इस मुलाकात

ने मुझे यह महसूस कराया कि अलग-अलग पीढ़ियों से आने के बावजूद कलाकारों के सपने और जुनून एक जैसे हो सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''जब भी मेरी मुलाकात ऐसे युवा कलाकारों से होती है, जो कुछ अलग और असाधारण करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, तो मुझे खुद भी नई ऊर्जा मिलती है। ऐसे कलाकारों का जुनून मुझे और मेहनत करने, चीजों को और गहराई से देखने और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करता है।''

सार समाचार

मॉस्को में व्लादिमीर पुतिन से मिले विदेश मंत्री एस जयशंकर

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस की दो दिवसीय यात्रा के लिए रूस की राजधानी मॉस्को पहुंच गए हैं। सोमवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की है। इसके बाद जयशंकर ने व्लादिमीर पुतिन समेत रूस के अन्य अधिकारियों के साथ बैठक में हिस्सा लिया। आपको बता दें कि एस जयशंकर द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश संबंधों समेत विभिन्न मुद्दों पर वार्ता के लिए दो दिनों के लिए मॉस्को की यात्रा पर पहुंचे हैं। व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा- "मैं अपनी बात की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुभकामनाओं के साथ करना चाहता हूं। पीएम मोदी ने मुझे एक निजी संदेश दिया है जिसे मैं आपको सौंपना चाहता हूं। हमारी इंटरगवर्नमेंटल कमीशन की बैठक हुई। मुझे लगता है कि कुल मिलाकर हमारे पास आपको देने के लिए एक अच्छी रिपोर्ट है। मुझे लगता है कि हमारे आर्थिक सहयोग, व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, परमाणु और अन्य क्षेत्रों में भी काफी प्रगति हुई है और मुझे इनके बारे में विस्तार से बात करने में खुशी होगी। कुल मिलाकर, मुझे लगता है कि हमारा आर्थिक सहयोग काफी बढ़ा है।" भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा- "प्रधानमंत्री मोदी SCO समिट में आपसे मिलने, फिर BRICS समिट के लिए भारत में आपका स्वागत करने और समय आने पर, आपकी आपसी सुविधा के अनुसार, सालाना समिट करने के लिए उत्सुक हैं। इसलिए हमारे पास पेश करने के लिए सहयोग की एक बहुत मजबूत तस्वीर है।"

सबसे बड़े आर्थिक अभियान से ईरान को अलग-थलग करेगा अमेरिका: स्कॉट बेसेंट

नई दिल्ली। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अब तक के सबसे बड़े आर्थिक अभियान की तैयारी कर ली है। इस अभियान का मकसद ईरान के आर्थिक संसाधनों और वित्तीय रास्तों को बंद कर उसे आर्थिक रूप से अलग-थलग करना है। संयुक्त राज्य अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को काफी कमजोर कर दिया है, उसकी लगभग सभी सैन्य उत्पादन सुविधाओं को नष्ट कर दिया है और उसके परमाणु कार्यक्रम को गंभीर झटका पहुंचाया है। अब हम इस अभियान के निर्णायक चरण में पहुंच रहे हैं। अब एक तरह का आर्थिक 'डी-डे' शुरू होगा, यह किसी दुश्मन के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा आर्थिक हमला है।''

ईरान ने अमेरिका की आर्थिक कार्रवाई के समर्थक देशों को दी 'युद्ध' की चेतावनी, कहा- मुंह तोड़ करेंगे पलटवार

अमेरिका और ईरान के बीच छिड़े युद्ध को लेकर दोनों ओर से बयानबाजी हो रही है। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के नए प्रमुख मोहसिन रेजाई ने रविवार को चेतावनी दी है। रेजाई ने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका की आर्थिक कार्रवाई का समर्थन करने वाले किसी भी देश के कदम को 'युद्ध' माना जाएगा। वहीं, ईरान के राष्ट्रपति ने अमेरिका के साथ हुए समझौता ज्ञापन का बचाव किया। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के कट्टरपंथी नेता मोहसिन रेजाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह चेतावनी दी। उन्होंने सरकारी प्रेस को दिए इंटरव्यू में कहा, 'अगर (डोनाल्ड ट्रंप) कुछ करना चाहते हैं, तो हम भी मुंह तोड़ पलटवार करेंगे।' दूसरी ओर, अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट सोमवार को ईरान के खिलाफ नए प्रतिबंधों की घोषणा कर सकते हैं। इस बीच, मध्यस्थों के जरिए वार्ता फिर शुरू कराने के प्रयासों के तहत पाकिस्तान के सेना प्रमुख भी सोमवार को ईरान की यात्रा कर सकते हैं। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने अपनी खबर में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई के हवाले से बताया कि पाकिस्तानी फील्ड मार्शल असीम मुनीर सोमवार को तेहरान पहुंचेंगे और एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। हाल ही में गठित एक ईरानी प्राधिकरण ने ढेरों ऐसे जहाजों की सूची जारी की है, जिन्हें भविष्य में इस मार्ग से गुजरने पर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। पेजेश्कियान ने अपने भाषण में कहा, 'इस समझौते में ऐसा एक भी प्रावधान नहीं है, जिसे आत्मसमर्पण के रूप में देखा जा सके।'

कनाडा आज करेगा जवाबी टैरिफ का ऐलान, ट्रंप की धमकी पर बोले कार्नी-'हमारा देश अमेरिका का गुलाम नहीं'

टोरंटो। ट्रंप टैरिफ बम फोड़कर दुनिया में अमेरिकी बादशाहत का परचम बुलंद रखना चाहते हैं। दुनिया के कई देशों पर टैरिफ लगाने का ऐलान कर चुके हैं। ताजा मामला कनाडा का है। ट्रंप ने कनाडा पर करीब 50 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की तो अब जवाब में कनाडा ने भी पलटवार करने का फैसला किया है। कनाडा आज अमेरिका पर टैरिफ लगाने का ऐलान करेगा। हालांकि इससे पहले दोनों देशों के बीच ट्रेड को लेकर बातचीत भी हुई। लेकिन इस बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। शुक्रवार देर रात वाशिंगटन में दोनों देशों के बीच आखिरी कोशिश के तौर पर जारी वार्ता भी विफल हो गई। अब दोनों देश ट्रेड फाइट में उलझते जा रहे हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने वाशिंगटन पर बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अमेरिका, कनाडा को अपना "अधीनस्थ" (Subsidiary) बनाने की कोशिश कर रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। कनाडा अमेरिका का गुलाम नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कनाडा अब डॉलर के बदले डॉलर (बराबर टैरिफ) की नीति से आगे बढ़कर ऐसे टारगेटेड कदम उठाएगा, जिससे कनाडा के श्रमिकों और व्यवसायों की सुरक्षा की जा सके। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस विवाद को और तूल दे दिया जब उन्होंने कनाडा के नेतृत्व को चैलेंज कर दिया। उन्होंने कनाडा के मौजूदा नेतृत्व को रास्ते पर आने की हिदायत दी साथ ही चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं होता है तो मौजूदा टैरिफ से "बहुत बुरे" नतीजे भुगतने के लिए तैयार रहें। ट्रंप ने करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के कनाडाई वाहनों, ऑटो पार्ट्स और स्टील पर 50 प्रतिशत तक का नया टैरिफ लगाने की धमकी दी है। यह टैरिफ अगले साल से लागू होगा। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने कहा डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ऐसी शर्तें रखी गई हैं जो मानने लायक नहीं थीं। यह आर्थिक तौर पर अनुचित थी और कनाडा के हित में तो बिल्कुल नहीं थीं। हर कोई इस आर्थिक युद्ध में शामिल है।

पाकिस्तान-सऊदी-तुर्की वाले 'मक्का पैक्ट' में ईरान भी होगा शामिल? ईरानी विदेश मंत्रालय ने दिया जवाब

हाल ही पाकिस्तान-सऊदी अरब और तुर्की के बीच मक्का समझौता हुआ है। इस बीच ईरान के भी इस समझौते में शामिल होने की अटकलें लग रही हैं। हालांकि ईरान ने कहा है कि उसे सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के नेतृत्व वाले मक्का समझौते में शामिल होने का निमंत्रण नहीं मिला है, लेकिन क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा के लिए प्रस्ताव जरूर दिए गए हैं। ये बातें ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहीं। उन्होंने कहा, "हमें मक्का समझौते में शामिल होने का निमंत्रण नहीं मिला है, लेकिन इन देशों के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा के लिए प्रस्ताव रखे गए हैं।" बता दें कि मक्का रक्षा समझौते पर 7 अगस्त को मक्का में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगान और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते का मकसद तीनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और सामूहिक प्रतिरोध को मजबूत करना है। शिखर सम्मेलन के बयान के अनुसार, तीनों हस्ताक्षरकर्ता देशों में से किसी एक पर भी सशस्त्र हमले को तीनों पर हमला माना जाएगा। हालांकि इस समझौते में विस्तृत ऑपरेशनल या सैन्य प्रतिबद्धताओं का जिक्र नहीं है, लेकिन यह बेहतर रक्षा सहयोग के लिए एक ढांचा तैयार करता है और क्षेत्र व उसके बाहर शांति, स्थिरता और सुरक्षा को अपने व्यापक लक्ष्यों के रूप में पहचानता है। यह समझौता पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और संघर्षों के बीच हुआ, जबकि यह क्षेत्र कई सुरक्षा चुनौतियों और बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता का सामना कर रहा है। हालांकि इससे पहले अगस्त में ही, पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब के बीच बने नए त्रिपक्षीय रक्षा समझौते पर बात करते हुए बकाई ने कहा था कि यह समझौता क्षेत्रीय सुरक्षा सोच में एक बुनियादी बदलाव का संकेत है, जो यह साबित करता है कि मिडिल-ईस्ट के देशों को यह एहसास हो गया है कि "सुरक्षा कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे झूठे सुरक्षा दलालों से खरीदा जा सके"। हालांकि, जेरूसलम पोस्ट में छपे एक विश्लेषण के अनुसार, यह समूह अपनी पहली बड़ी परीक्षा में विफल होता दिख रहा है। यमन के ईरान-समर्थित हूती विद्रोहियों ने जब जाजान में अरामको रिफाइनरी पर हमला किया, तो इस नए बने गठबंधन ने हमले का कोई ठोस सैन्य जवाब नहीं दिया और न ही कोई चेतावनी दी।

ट्रंप ने कनाडा के खिलाफ लिया एक्शन, 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का किया ऐलान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा की गाड़ियों, कार के पार्ट्स और स्टील पर अगले साल (1 जनवरी) से 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी। यह घोषणा पिछले हफ्ते सहयोगी और भरोसेमंद व्यापारिक साझेदारों के बीच व्यापार वार्ता के विफल होने के बाद की गई है। बातचीत टूटने के बाद कनाडा के कई सामानों पर अमेरिका के लंबे समय से नियोजित टैरिफ लागू हो गए, और कनाडा ने जवाबी कार्रवाई करने का संकल्प लिया है। ट्रंप ने सोमवार सुबह सोशल मीडिया पर लिखा, "कनाडा बरसों से अमेरिका को ठग रहा है।" अमेरिकी किसानों पर कनाडा के "बेहद ज्यादा टैरिफ" की आलोचना करते हुए ट्रंप ने लिखा: "यह टिकाऊ नहीं है, और अब और नहीं!" ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर अपनी पोस्ट में कहा, "कनाडा सालों से अमेरिका का फायदा उठा रहा है। हमारे किसानों और कृषि उत्पादों पर उनके बहुत ज्यादा टैरिफ ने इन महान अमेरिकी देशभक्तों का जीवन मुश्किल बना दिया है और लंबे समय से हमारे दोनों देशों के बीच 60 अरब डॉलर का घाटा पैदा किया है। यह स्थिति अब और नहीं चल सकती! 1 जनवरी, 2027 से सभी कारों, ट्रकों (बड़े और छोटे दोनों), ऑटोमोटिव पार्ट्स और स्टील पर टैरिफ बढ़ाकर 50% कर दिया जाएगा। अमेरिका में सामान बनाएं और जीरो टैरिफ पाएं। कनाडा के साथ अब किसी राज्य जैसा व्यवहार नहीं किया जाएगा!" अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कनाडा पर व्यापार के मामले में निपटने के लिए सबसे मुश्किल देशों में से एक होने का आरोप लगाया। नए टैरिफ की घोषणा से उन उद्योगों के लिए अनिश्चितता और बढ़ गई है जो US-कनाडा सीमा के आर-पार गहराई से जुड़े हुए हैं।

सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए दो महीने में आएंगे नए नियम: पीयूष गोयल

टोक्यो। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत वैश्विक व्यापार व्यवस्था में अपनी भूमिका को और मजबूत बनाने के लिए कम से कम आठ से नौ विकसित और देश समूहों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बातचीत कर रहा है। इन अर्थव्यवस्थाओं का संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) लगभग 15 ट्रिलियन डॉलर है। उनका कहना है कि इन समझौतों के लागू होने के बाद भारत के एफटीए नेटवर्क का दायरा वैश्विक व्यापार के लगभग 75 प्रतिशत हिस्से तक पहुंच सकता है। टोक्यो में भारत और जापान के उद्योग प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि भारत द्वारा पहले से किए गए और हाल ही में संपन्न मुक्त व्यापार समझौतों ने लगभग 70 ट्रिलियन डॉलर की संयुक्त जीडीपी वाली अर्थव्यवस्थाओं तक भारतीय कंपनियों की पहुंच सुनिश्चित की है।

वर्तमान में चल रही वार्ताओं के सफल होने के बाद यह दायरा और व्यापक हो जाएगा।

उन्होंने कहा, "हमारे मुक्त व्यापार समझौतों के जरिए वैश्विक व्यापार का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा कवर होगा। इससे भारत एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकेगा।"

गोयल ने कहा कि भारत ने पिछले चार वर्षों में नौ मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जो लगभग 60 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्थाओं और 38 विकसित देशों को कवर करते हैं।

इसके अतिरिक्त जापान, दक्षिण कोरिया और आसियान देशों के साथ पहले से मौजूद व्यापार समझौते करीब 10 ट्रिलियन डॉलर की अतिरिक्त अर्थव्यवस्थाओं तक पहुंच प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत के व्यापार समझौते दुनिया की लगभग 70 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए वरीयता प्राप्त बाजार पहुंच उपलब्ध करा रहे हैं और आगामी समझौतों से इसमें और विस्तार होगा।

होर्मुज स्ट्रेट में तेल टैंकर पर प्रोजेक्टाइल से हमला : इंजन रूम क्षतिग्रस्त

दुबई/मस्कट। सामरिक और व्यापारिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील समुद्री मार्ग 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' (Strait of Hormuz) में एक तेल टैंकर पर अज्ञात प्रोजेक्टाइल (हवाई मिसाइल/ड्रोन या विस्फोटक प्रक्षेप्य) से हमला होने का मामला सामने आया है। ब्रिटिश मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (UKMTO) द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, हमले के कारण तेल टैंकर का इंजन रूम बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे जहाज की गति रुक गई और वह समुद्र में डिसेबल (अचल) हो गया। यह हमला ओमान के समुद्री जलक्षेत्र में स्थित अल-शीशा (Al-Shishah) इलाके से लगभग 16 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में हुआ। कैप्टन ने बताया कि किसी अज्ञात प्रोजेक्टाइल के सीधे इंजन रूम से टकराने के बाद विस्फोट और क्षति हुई, जिससे जहाज का पावर व इंजन सिस्टम ठप हो गया। चालक दल सुरक्षितः राहत की बात यह रही कि हमले के बावजूद जहाज पर मौजूद चालक दल (क्रू) के सभी सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इस घटना से ठीक एक दिन पहले भी UKMTO ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही को लेकर सतर्कता संबंधी एडवाइजरी जारी की थी। समुद्री सुरक्षा एजेंसी के अनुसार, पिछले 48 घंटों के दौरान भू-राजनीतिक तनाव और जोखिम के चलते इस प्रमुख तेल परिवहन मार्ग पर व्यापारिक जहाजों का यातायात अपेक्षाकृत कम दर्ज किया गया है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा एजेंसियां मामले की बारीकी से जांच कर रही हैं तथा मार्ग से गुजरने वाले अन्य जहाजों को अतिरिक्त सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

अमेरिका की मध्यस्थता में सीरिया और इजरायल की जॉर्डन में बातचीत

दमिश्क। जॉर्डन में अमेरिका की मध्यस्थता में रविवार को सीरिया और इजरायल के वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडलों के बीच बातचीत हुई। इस बैठक में तनाव कम करने और सुरक्षा समझौते की दिशा में फिर से बातचीत शुरू करने के प्रयासों पर चर्चा की गई। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी साना ने एक राजनयिक सूत्र के हवाले से बताया कि सीरियाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मामलों के प्रमुख असद अल-शैबानी ने किया। इसमें देश की सामान्य और सैन्य खुफिया एजेंसियों के प्रमुख भी शामिल थे। वहीं, इजरायल की ओर से एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्डन में आयोजित यह बैठक हाल के दिनों में सीरियाई क्षेत्र पर इजरायली हमलों और दक्षिणी सीरिया में बढ़ते तनाव के बाद हालात को शांत करने की कोशिशों का हिस्सा थी। इसका मकसद सीरिया और पूरे क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा देना भी था। बातचीत के दौरान ऐसे व्यावहारिक उपायों पर चर्चा हुई जिनसे इजरायल के हमलों, गिरफ्तारियों और निशाना बनाकर की जाने वाली कार्रवाइयों को रोका जा सके। साथ ही, सुरक्षा समझौते तक पहुंचने के उद्देश्य से वार्ता को फिर से शुरू करने पर भी बात हुई, जो भविष्य में किसी व्यापक समझौते की नींव बन सकता है। सीरियाई प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि सीरिया एक संप्रभु देश है और उसे अपनी राष्ट्रीय सेना का पुनर्निर्माण और विकास करने का पूरा अधिकार है। साथ ही, वह अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार अपने सहयोगी और साझेदार चुन सकता है।

पाकिस्तानी आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर की मौजूदगी में बोले ईरानी राष्ट्रपति: दबाव और धौंस से नहीं चलेगा काम

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने सोमवार शाम पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर से तेहरान में उच्चस्तरीय मुलाकात की। इस बैठक के दौरान ईरानी राष्ट्रपति ने अमेरिका को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि वह ईरान के प्रति अपने लहजे और आक्रामक रवैये में बदलाव लाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि दबाव, प्रतिबंधों और धौंस के जरिए आगे बढ़ने की नीति से समझौतों को लागू करने की प्रक्रिया केवल जटिल और बाधित ही होगी। 'इस्लामाबाद समझौते और अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करे वाशिंगटन' ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी IRNA के अनुसार, राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने कहा कि अमेरिका को अंतरराष्ट्रीय मानकों और विधि सम्मत नियमों के आधार पर ईरान के प्रति अपनी सभी प्रतिबद्धताओं का ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने अमेरिका से 'इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन' (Islamabad MoU) की शर्तों का पूरी तरह पालन करने का आग्रह किया। यह समझौता इसी वर्ष जून माह में पाकिस्तान की मध्यस्थता से ईरान और अमेरिका के बीच संपन्न हुआ था। बैठक के दौरान ईरानी राष्ट्रपति ने अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की भूमिका निभाने के लिए पाकिस्तान का विशेष आभार जताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच निरंतर राजनयिक और रणनीतिक सहयोग से इस्लामाबाद समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने और क्षेत्रीय शांति को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। जनरल आसिम मुनीर के तेहरान दौरे के दौरान ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बगर ग़ालिबाफ़ और सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी मोहसिन रेजाई ने भी उनसे अलग-अलग बैठकों में बातचीत की।

खेल समाचार

इंग्लिश प्रीमियर लीग: मैनचेस्टर सिटी ने बोर्नमाउथ को 2-1 से हराया, ब्राइटन ने एस्टन विला को दी शिकस्त

लंदन। मैनचेस्टर सिटी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग अभियान की शुरुआत शानदार जीत के साथ की है। सिटी ने रविवार को बोर्नमाउथ के खिलाफ खेले गए मुकाबले में एक गोल से पिछड़ने के बाद बेहतरीन वापसी करते हुए 2-1 से जीत दर्ज की। मैनचेस्टर सिटी पिछले हफ्ते आर्सेनल से कम्युनिटी शील्ड में 3-0 से हारने के बाद इस मैच में उतरी थी। टीम की मुश्किलें तब और बढ़ती नजर आईं, जब मार्कस टैवर्नियर ने 26वें मिनट में एक तेज काउंटरअटैक के बाद बोर्नमाउथ को आगे कर दिया। हालांकि, मैनचेस्टर सिटी ने दूसरे हाफ में अच्छी वापसी की। मैच खत्म होने से 6 मिनट पहले मार्क गुएही ने रेयान चेर्की के कॉर्नर पर हेडर की मदद से शानदार गोल दागा। चेर्की ने 91वें मिनट में सिटी की ओर से दूसरा गोल करते हुए क्लब की जीत पक्की की दी। वहीं, लिवरपूल के कोच के तौर पर एंडोनी इराओला के कार्यकाल की शुरुआत न्यूकैसल यूनाइटेड के खिलाफ मुश्किल रही। लिवरपूल और न्यूकैसल के बीच खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। एंथनी एलंगा ने सिर्फ पांच मिनट बाद एक काउंटरअटैक करके घरेलू टीम को आगे कर दिया। 55वें मिनट में कोडी गैकपो ने एरिया के बाहर से शॉट मारकर स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया।

चोटिल नजीहा अल्वी महिला एशिया कप 2026 से बाहर, सदफ शमास को मिली पाकिस्तान टीम में जगह

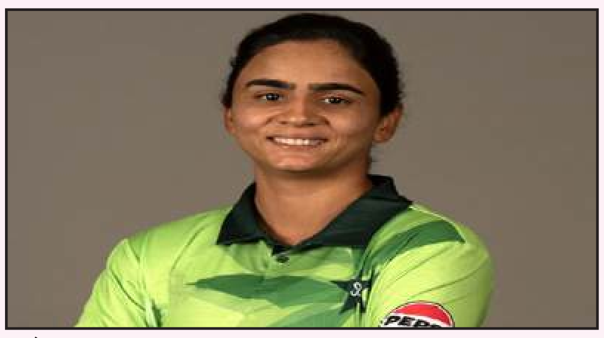

लाहौर। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम की विकेटकीपर-बल्लेबाज नजीहा अल्वी घुटने की चोट के कारण आगामी एसीसी महिला टी20 एशिया कप 2026 से बाहर हो गई हैं। नजीहा अल्वी की जगह पर दाएं हाथ की बल्लेबाज सदफ शमास को टीम में शामिल किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक बयान के मुताबिक, मेडिकल जांच में जोड़ों में दिक्कत की पुष्टि होने के बाद यह फैसला लिया गया, जिसके बाद सिलेक्शन कमिटी ने इस बड़े महाद्वीपीय इवेंट के लिए सदफ को टीम में शामिल किया। "नजीहा ने अपने बाएं घुटने के पिछले हिस्से में दर्द बताया, जबकि बाद में स्कैन में मोच आने का पता चला। पीसीबी की मेडिकल टीम के जांच के बाद नजीहा तुरंत अपना रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम शुरू करेंगी, जिसके चार हफ्ते तक चलने की उम्मीद है। नेशनल विमेंस सिलेक्शन कमिटी ने सदफ को एशिया कप टीम में शामिल किया है। जनवरी 2023 में डेब्यू करने के बाद से वह अब तक 12 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुकी हैं।" यह टूर्नामेंट 28 अगस्त से 13 सितंबर तक दुबई में होना है, जिसमें पाकिस्तान को पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों, सात बार के विजेता भारत, थाईलैंड और हांगकांग के साथ एक कड़े ग्रुप ए में रखा गया है। वहीं, 7 सितंबर को टीम का सामना हांगकांग-चीन से होगा।

बार्सिलोना ने किया ला लीगा का धमाकेदार आगाज, एल्चे को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराया

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना ने ला लीगा की शुरुआत धमाकेदार जीत के साथ की है। बार्सिलोना ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एकतरफा मुकाबले में एल्चे को 5-0 से शिकस्त दी। बार्सिलोना ने पेनल्टी स्पॉट से राफिन्हा के गोल से शुरुआती बढ़त हासिल की, और डेब्यू कर रहे करीम अदेयेमी ने हाफटाइम से पहले राफिन्हा के असिस्ट के बाद इस बढ़त को दोगुना कर दिया। इस सीजन की शुरुआत से पहले साइन किए गए एंथनी गॉर्डन दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के तौर पर आए और उन्होंने राफिन्हा को गेम का अपना दूसरा गोल करने और फर्मिन लोपेज को बार्सिलोना का चौथा गोल करने में असिस्ट किया। लोपेज ने 79वें मिनट में एक शानदार व्यक्तिगत गोल करके बार्सिलोना की बढ़त को 5-0 पहुंचाया। क्लब छोड़ने की इच्छा जता चुके एटलेटिको मैड्रिड के स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज का विलारियल के खिलाफ घरेलू गेम से पहले जब उनका नाम लिया गया, तो लोगों ने सीटियों और हूटिंग से स्वागत किया। गिउलिआनो शिमोन ने मैच खत्म होने से पांच मिनट पहले शानदार गोल करके एटलेटिको के लिए एक प्वाइंट बचाया।

विनेश फोगाट: विरासत में मिला रेसलिंग का खेल, कॉमनवेल्थ गेम्स में जीते 3 गोल्ड

नई दिल्ली। विनेश फोगाट की गिनती भारत की सबसे मशहूर महिला रेसलर्स में की जाती है। विनेश अपने करियर में कॉमनवेल्थ गेम्स में तीन गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं। हालांकि, करियर के दौरान उनका विवादों से भी खूब नाता रहा है। विनेश का जन्म 25 अगस्त, 1994 को हरियाणा के बलाली गांव में हुआ। कुश्ती का खेल विनेश को विरासत में मिला। उनके ताऊ महावीर सिंह ने बेहद छोटी उम्र में ही विनेश को इस खेल की बारीकियां सिखाना शुरू कर दिया था। विनेश भी जल्द ही अपने चचेरी बहनें गीता और बबीता फोगाट की राह पर चल पड़ीं। हालांकि, यह सफर चुनौतियों से भरा रहा। विनेश जब सिर्फ 9 साल की थी, तो उनके पिता का निधन हो गया था। मगर ताऊ ने विनेश का कुश्ती से नाता नहीं टूटने दिया। सुबह 5 बजे उठकर ट्रेनिंग करने के बाद विनेश को स्कूल भी जाना पड़ता था। हालांकि, यह कड़ी ट्रेनिंग विनेश के लिए वरदान साबित हुई। इंटरनेशनल स्टेज पर विनेश की झोली में पहला मेडल साल 2014 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में आया। इसके बाद रियो ओलंपिक में भी विनेश क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं, लेकिन मेडल लाने से चूक गईं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 में विनेश का दमदार प्रदर्शन एक बार फिर देखने को मिला और उन्होंने गोल्ड पर कब्जा जमाया। एशियन गेम्स में भी वह गोल्ड जीतने में सफल रहीं। विनेश ने विश्व चैंपियनशिप में मेडल जीतने के साथ-साथ एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता और अपने खेल से हर किसी को प्रभावित किया। 2022 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भी विनेश का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला और उन्होंने यहां भी गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वह कॉमनवेल्थ गेम्स में तीन गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला रेसलर बनीं। हालांकि, विनेश का विवादों से भी नाता रहा। उन्होंने साल 2023 में भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष का पद संभाल रहे बृजभूषण सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया और बजरंग पूनिया समेत अन्य रेसलर्स के साथ मिलकर जंतर-मंतर पर धरना दिया। वहीं, पेरिस ओलंपिक में विनेश को फाइनल मुकाबले से पहले 100 ग्राम वजन ज्यादा होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था, जबकि टूर्नामेंट में उनका सिल्वर मेडल पक्का था। इस पर काफी विवाद भी हुआ था। विनेश फोगाट का सफर केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने भारतीय कुश्ती में कई ऐसे पड़ाव देखे, जिन्होंने उन्हें खेल के साथ-साथ सार्वजनिक जीवन में भी एक चर्चित चेहरा बना दिया। बेहद कम उम्र में पिता को खोने के बाद भी उन्होंने प्रशिक्षण जारी रखा और परिवार के सहयोग से कठिन परिस्थितियों में खुद को एक मजबूत पहलवान के रूप में तैयार किया। शुरुआती दौर में विनेश को अभ्यास के लिए रोजाना कड़ी मेहनत करनी पड़ती थी। सुबह जल्दी उठकर प्रशिक्षण करना और उसके बाद स्कूल जाना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। परिवार में पहले से मौजूद कुश्ती के माहौल ने उन्हें इस खेल को समझने में मदद की। गीता और बबीता फोगाट की उपलब्धियों ने भी उन्हें प्रेरणा दी और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया। रियो ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना उनके करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में रहा, हालांकि वहां उन्हें पदक नहीं मिल सका।

सिनसिनाटी ओपन: कोको गॉफ बनीं चैंपियन, फिल्स ने जीता पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब

सिनसिनाटी। आर्थर फिल्स ने आखिरी सेट में बेहतरीन खेल दिखाते हुए अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो को हराकर अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीता। उन्होंने सिनसिनाटी ओपन के फाइनल मुकाबले में शानदार खेल दिखाते हुए खिताब पर कब्जा किया। वहीं, महिलाओं में कोको गॉफ ने हमवतन जेसिका पेगुला के खिलाफ फाइनल में जीत दर्ज करते हुए अपना दूसरा सिनसिनाटी ओपन टाइटल जीता। 21वीं वरीयता प्राप्त फिल्स ने दूसरे सेट में पिछड़ने के बाद 17वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी टियाफो को 6-3, 1-6, 6-0 से हराया और अपने करियर का सबसे अहम खिताब हासिल किया। फ्रांस के खिलाड़ी ने दमदार आगाज किया और पहले सेट में 3-0 की बढ़त हासिल की। टियाफो ने होल्ड करके बराबरी कर ली, लेकिन फिल्स बेसलाइन से दबाव बनाते रहे। फिल्स ने 5-3 की बढ़त बनाई और फिर सेट खत्म करने के लिए एक परफेक्ट गेम सर्व किया, जिसमें उन्होंने एक भी प्वाइंट गंवाए बिना लगातार तीन एस मारे। सिनसिनाटी में अपने दूसरे फाइनल में टियाफो ने दूसरे सेट में वापसी की और फिल्स की सर्व ब्रेक करते हुए 3-0 की बढ़त बना ली। उन्होंने अपने फोरहैंड का शानदार अंदाज में इस्तेमाल किया। वह दूसरे सेट को 6-1 से अपने नाम करने में सफल रहे। हालांकि, फ्रांस के खिलाड़ी फिल्स ने तीसरे सेट में बढ़त बनाने के लिए टियाफो की बैकहैंड गलतियों का फायदा उठाते हुए दो बार सर्व ब्रेक करके 4-0 की बढ़त बनाई। फिल्स की स्पीड और पावर अमेरिकी खिलाड़ी के मुकाबले काफी अधिक रही और फ्रेंचमैन ने एक लंबी फाइनल रैली के बाद एक बैगल पूरा करके खिताब जीता। खिताब जीतने के बाद फिल्स ने कहा, "यह मुश्किल था, क्योंकि मैंने बहुत मजबूती से शुरुआत की थी, और फिर दूसरे सेट में मेरा थोड़ा फोकस भटक गया। इसके लिए बहुत सारी ट्रेनिंग, बहुत सारी चीजें, बहुत सारा त्याग करना पड़ता है।"

टीम इंडिया हुई हॉकी वर्ल्ड कप से बाहर, अर्जेंटीना ने 5-3 के अंतर से जीता मुकाबला

भारतीय हॉकी टीम का मेंस हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में सफर समाप्त हो गया है। दूसरे दौर के एक अहम मुकाबले में अर्जेंटीना ने भारत को 5-3 से हरा दिया। इस हार के बाद भारतीय टीम वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है और खिलाड़ियों का एक बार फिर वर्ल्ड चैंपियन बनने का सपना टूट गया है। इससे पहले टीम इंडिया को नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच में भी हार का सामना करना पड़ा था। भारत के लिए मैच की शुरुआत काफी खराब रही। खेल शुरू होने के केवल 40वें सेकंड में अर्जेंटीना के तोस्कानी ने एक फील्ड गोल करके भारत पर दबाव बना दिया। इसके तुरंत बाद, 7वें मिनट में निकोलस डेला टोरी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अर्जेंटीना की बढ़त 2-0 कर दी। मैच के 10वें मिनट में सुखजीत सिंह ने बेहतरीन फील्ड गोल करके भारत के लिए वापसी का दरवाजा खोल दिया, लेकिन टीम इस लय को बनाए नहीं रख सकी। मैच के दौरान भारतीय टीम का डिफेंस काफी कमजोर नजर आया। दूसरे और तीसरे क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने गेंद पर अपना कब्जा तो बनाए रखा, लेकिन वे इसे गोल में बदलने में नाकाम रहे।

दूसरा टेस्ट: पड्डिकल के बाद जुरेल का शतक, भारत की पहली पारी 503/9 के स्कोर पर घोषित

कोलंबो। भारत ने सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में सोमवार को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में अपनी पहली पारी 503/9 के स्कोर पर घोषित की। इस पारी में देवदत्त पड्डिकल और ध्रुव जुरेल ने शतक लगाए। रविवार को टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 37 के स्कोर पर केएल राहुल का विकेट गंवा दिया था, जो 33 गेंदों में 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद देवदत्त पड्डिकल ने मोर्चा संभाला। पड्डिकल ने यशस्वी जायसवाल के साथ दूसरे विकेट के लिए 29 रन जुटाए। जायसवाल 53 गेंदों में 9 चौकों के साथ 45 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पड्डिकल ने कप्तान शुभमन गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए 120 रन जुटाकर स्कोर 186 तक पहुंचाया। गिल 6 चौकों के साथ 50 रन बनाकर आउट हुए। पंत पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे, लेकिन 15 गेंदों का ही सामना कर सके। उन्हें 58वें ओवर के दौरान लाहिरू कुमारा की गेंद बाएं हाथ की कलाई पर लगी, जिसके बाद तेज दर्द के कारण रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान छोड़ना पड़ा। उस समय तक उनके खाते में सिर्फ 3 रन थे। रवींद्र जडेजा उनके स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और टीम के स्कोर में 43 रन का योगदान दिया। पहले दिन के खेल तक पड्डिकल भी अपना विकेट गंवा बैठे, जिन्होंने 12 चौकों के साथ 117 रन बनाए। दिन की समाप्ति तक भारत ने 85 ओवरों का सामना किया, जिसमें 5 विकेट खोकर 300 रन बनाए। दूसरे दिन के पहले सेशन में पंत एक बार फिर बल्लेबाजी के लिए उतरे। उन्होंने ध्रुव जुरेल के साथ 112 रन जोड़े, लेकिन दूसरे सेशन की पहली ही गेंद (112.1 ओवर) पर केशरा नुवानथा को अपना विकेट दे बैठे। पंत जब आउट हुए, तो उनके खाते में 63 रन थे, जिसमें 2 छक्के और 4 चौके शामिल थे। 125वें ओवर की चौथी गेंद पर टीम ने मानव सुथार (18) का विकेट भी गंवा दिया। भारत ने 131.2 ओवरों में 8 विकेट गंवाकर 475 रन बना लिए थे। इसी बीच बारिश के चलते खेल रोकना पड़ा। जब खेल फिर से शुरू हुआ, तो 137वें ओवर की पहली गेंद पर मोहम्मद सिराज (3) का विकेट गिरा। सिराज और ध्रुव जुरेल के बीच 31 रन की साझेदारी हुई।

मिचेल स्टार्क ने दूसरे टेस्ट में गेंद से बरपाया कहर, सिर्फ 22 गेंदों में पूरा किया 5 विकेट हॉल

बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच मैके में खेला जा रहा है। इस टेस्ट मैच के पहले दिन ही ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने नई गेंद से कहर बरपाया है। मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतने के बाद बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। इस मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेकर स्टार्क ने ऑस्ट्रेलिया को शानदार शुरुआत दिलाई। मिचेल स्टार्क की घातक गेंदबाजी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने सिर्फ 22 गेंद में अपना पंजा खोला। हाल ही में स्टार्क टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाज बने थे। मैके में मिचेल स्टार्क ने अपने पांचवें विकेट हॉल के साथ ही टेस्ट क्रिकेट में विकेट के मामले में साउथ अफ्रीका के दिग्गज डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया है। स्टार्क के अब टेस्ट फॉर्मेट में 440 विकेट हो गए हैं। वहीं, डेल स्टेन की बात करें तो उन्होंने 93 टेस्ट में 439 विकेट अपने नाम किए थे। स्टार्क अब सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप-10 में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दुनिया के 5वें और ऑस्ट्रेलिया के लिए सिर्फ दूसरे तेज गेंदबाज भी बने हैं।

इंग्लैंड को लॉर्ड्स टेस्ट मैच से पहले लगा बड़ा झटका, ब्रायडन कार्स हुए बाहर

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच लॉर्ड्स में खेला जाएगा। इस मैच से पहले इंग्लैंड की टीम को एक बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स नाइट क्लब विवाद में फंसने के बाद इस मुकाबले से बाहर हो गए हैं। साथ ही में उनके रिप्लेसमेंट का भी ऐलान हो गया है। दूसरे टेस्ट के लिए कार्स की जगह तेज गेंदबाज सोनी बेकर को टीम में शामिल किया गया है। ब्रायडन कार्स को लेकर इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान जारी किया है। ब्रायडन कार्स को लेकर ECB ने एक बयान जारी करते हुए बताया कि जब तक इस पूरे मामले की जांच चल रही है और सारी सच्चाई सामने नहीं आ जाती, तब तक ब्रायडन कार्स को दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम में नहीं चुना जाएगा। ब्रायडन कार्स ने पिछले सप्ताह काउंटी चैंपियनशिप में डरबीशायर के खिलाफ डर्हम टीम की शानदार जीत का हिस्सा रहे थे। वे पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट मैच की प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं थे। इसी वजह से उन्हें काउंटी क्रिकेट खेलने की छूट दे दी गई थी। उनके साथ-साथ शोएब बशीर, सैम कुक, मैथ्यू फिशर और ओली पोप को भी अपनी काउंटी टीमों के लिए खेलने के लिए रिलीज किया गया था। ECB (इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड) ने इस घटना की ज्यादा जानकारी तो नहीं दी, लेकिन उन्होंने यह बताया है कि अब 'क्रिकेट रेगुलेटर' इस पूरे मामले की जांच करेगा। इससे पहले इसी समर सीजन में उस वक्त के कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को भी नाइटक्लब से जुड़े एक मामले की जांच चलने के दौरान टीम से बाहर बैठना पड़ा था। हालांकि बाद में स्टोक्स को उस मामले में राहत मिल गई थी और वह न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी टेस्ट मैच में खेलते हुए नजर आए थे। उनकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले लॉर्ड्स के मैदान पर ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा लेगी। इस जीत के बाद इंग्लैंड इस सीरीज में 1-0 से आगे है।

रोज माउथवॉश करते हैं तो पहले जान लें ये जरूरी बातें, वर्ना फायदे की जगह हो सकता है नुकसान

सुबह उठते ही ब्रश करना और फिर मुंह की ताजगी के लिए माउथवॉश का इस्तेमाल करना अब कई लोगों की रोज की आदत बन चुका है। कुछ लोग इसे सांसों की बदबू दूर रखने के लिए इस्तेमाल करते हैं, तो कुछ को लगता है कि माउथवॉश करने से दांत और मसूड़े ज्यादा साफ रहेंगे। हालांकि माउथवॉश मुंह की सफाई में मदद जरूर करता है, मगर यह ब्रश और दांतों के बीच की सफाई नहीं कर सकता। साथ ही, हर दिन इस्तेमाल करने से पहले यह जानना भी जरूरी है कि आप किस तरह का माउथवॉश इस्तेमाल कर रहे हैं और उसका सही तरीका क्या है। माउथवॉश से कुल्ला करने के बाद मुंह ताजगी भरा जरूर लगता है, लेकिन इससे दांतों पर जमी गंदगी पूरी तरह नहीं निकलती। ब्रश दांतों की सतह पर जमा गंदगी और प्लाक को हटाने में मदद करता है। वहीं दांतों के बीच फंसे खाने को साफ करने के लिए के लिए फ्लॉस या इंटरडेंटल ब्रश की जरूरत पड़ती है। इसलिए माउथवॉश को ब्रश का विकल्प मानना गलत है। इसे जरूरत के मुताबिक रोज की ओरल हाइजीन रूटीन में शामिल किया जा सकता है। बाजार में कई तरह के माउथवॉश मिलते हैं। किसी का इस्तेमाल बदबू के लिए किया जाता है, तो किसी को मसूड़ों या दूसरी दांतों की परेशानी को ध्यान में रखकर बनाया जाता है। इसलिए सिर्फ अच्छा स्वाद या बड़ी कंपनी देखकर माउथवॉश खरीदना सही नहीं है। अगर आपको दांत या मसूड़ों से जुड़ी कोई परेशानी है तो डेंटिस्ट से पूछकर माउथवॉश लेना बेहतर रहेगा। कुछ माउथवॉश इस्तेमाल करने पर मुंह में तेज जलन होती है। कई लोगों को लगता है कि जलन ज्यादा है तो माउथवॉश ज्यादा असरदार होगा। ऐसा जरूरी नहीं है। जलन कुछ खास चीजों की वजह से हो सकती है, जैसे अल्कोहल या उसमें डाला गया फ्लेवर। अगर हर बार इस्तेमाल के बाद ज्यादा जलन या परेशानी हो रही है, तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। माउथवॉश खरीदने से पहले उसकी बोतल पर दी गई जानकारी जरूर पढ़ें। उसमें कौन-कौन सी चीजें डाली गई हैं, यह देखना जरूरी है। खासकर अगर आपका मुंह जल्दी सूखता है या किसी चीज से जलन होती है तो ऐसा प्रोडक्ट चुनने से बचें, जिससे आपकी परेशानी बढ़ सकती है। हर व्यक्ति के लिए एक ही माउथवॉश सही हो, यह जरूरी नहीं है।

नाक बहना, कान में मैल बनना, पेट से गुड़गुड़ की आवाज आना

ज्यादातर लोगों को लगता है कि स्वस्थ रहने का मतलब हर समय बिल्कुल फिट और परफेक्ट महसूस करना है। लेकिन शरीर में होने वाली कुछ सामान्य चीजें ऐसी भी हैं, जिन्हें हम अक्सर बेवजह चिंता का कारण मान लेते हैं। जबकि ये चीजें शरीर के स्वस्थ और फिट होने का संकेत होती हैं। आइए जानते हैं ऐसे 10 लक्षणों के बारे में जो आमतौर पर शरीर के सामान्य तरीके से काम करने को दिखाते हैं। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर सौरभ सेठी ने बताया कि ये लक्षण कोई बीमारी या समस्या नहीं बल्कि स्वस्थ होने की निशानी हैं।

ठंड में नाक बहना- अगर ठंडी हवा या अचानक तापमान बदलने पर आपकी नाक बहने लगती है तो ये बिल्कुल सामान्य है। ऐसा होना शरीर की एक प्राकृतिक प्रतिक्रिया हो सकती है।

कान में मैल बनना- कान का मैल कई गंदगी नहीं है बल्कि ये कान के सुरक्षा का परत है। कान में मैल जिसे वैक्स कहते हैं वो कान की नली को सूखा रखने और संक्रमण से बचाने में मदद करता है।

ठंडा या सोडा पीने के बाद डकार आना- कार्बोनेटेड ड्रिंक से पेट में अतिरिक्त गैस पहुंचती है। डकार शरीर का उस गैस को बाहर निकालने का सामान्य तरीका है।

ब्रश करते समय मसूड़ों से खून न आना- स्वस्थ मसूड़ों से आसानी से खून नहीं निकलना चाहिए। बार-बार खून आना मसूड़ों में सूजन या किसी अन्य समस्या का संकेत हो सकता है।

पेट में गुड़गुड़ की आवाज आना- अगर आपके पेट से गुड़गुड़ा की आवाज आती है तो ये पूरी तरह से सामान्य है। यह आंतों में भोजन, पानी और गैस के आगे बढ़ने के कारण होती है।

त्वचा का दबाने पर वापस सामान्य होना- स्वस्थ त्वचा में लचीलापन होता है।

सांप काटने पर शुरुआती एक घंटे में इलाज अत्यंत जरूरी, जानिए सर्पदंश के लक्षण

मानसून शुरू होते ही देश के कई हिस्सों से सांप दिखाई देने लगते हैं। घरों, खेतों, बगीचों और सड़कों तक पर सांप दिखाई देते हैं। वहीं, कई जगहों पर सर्पदंश की खबरे आ रही हैं। ऐसे में सर्पदंश से तुरंत बचाव के लिए उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने एडवाइजरी जारी की है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने एक्स पर पोस्ट किया, "पहला घंटा सबसे महत्वपूर्ण। सर्पदंश एक आपातकालीन स्थिति है, जिसमें शुरुआती 1 घंटा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। किसी भी लक्षण के दिखते ही तुरंत अस्पताल जाएं और चिकित्सकीय सहायता लें, क्योंकि समय पर इलाज ही सुरक्षा की कुंजी है।" राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने सर्पदंश के लक्षण भी बताया हैं। दो छिद्रयुक्त निशान, घाव से खून बहना या रिसना, सांस लेने में कठिनाई, त्वचा के रंग में बदलाव, आवाज में बदलाव या भारीपन और काटने के स्थान पर सूजन, जलन और तीव्र दर्द सांप काटने के लक्षण होते हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने कहा, "सर्पदंश की स्थिति में पहले 1 घंटे में इलाज अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। पीड़ित को तुरंत नजदीकी सरकारी चिकित्सा केंद्र में ले जाएं और समय पर चिकित्सा सहायता प्राप्त करें। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, सांप के ज़हर (वेनम) के असर को रोकने या कम करने के लिए एंटीवेनम एक असरदार इलाज है और इसे डब्ल्यूएचओ की जरूरी दवाओं की लिस्ट में शामिल किया गया है। इन एंटीवेनम की उपलब्धता और पहुंच के साथ-साथ समुदायों और हेल्थ वर्करों के बीच बचाव के तरीकों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, सांप के काटने से होने वाले गंभीर नतीजों और मौतों को कम करने का सबसे अच्छा तरीका है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, अगर किसी ऐसे सांप ने काटा हो जिसके जहरीला होने का शक है, तो काटे गए हिस्से से घड़ी, कड़ा, अंगूठी या कोई भी टाइट चीज निकाल दें, ताकि सूजन आने पर नुकसान न हो। पीड़ित को शांत रखें। ज्यादातर जहरीले सांपों के काटने से तुरंत मौत नहीं होती। व्यक्ति को हिलने-डुलने से रोकें और जितनी जल्दी हो सके नजदीकी हेल्थ सेंटर ले जाएं। कुछ मामलों में, काटने वाली जगह पर प्रेशर पैड से दबाव डालना सही हो सकता है। पारंपरिक प्राथमिक उपचार के तरीकों या जड़ी-बूटियों वाली दवाओं का इस्तेमाल न करें। स्थानीय दर्द (जो बहुत तेज हो सकता है) के लिए पैरासिटामोल दी जा सकती है। उल्टी हो सकती है, इसलिए व्यक्ति को बाईं करवट 'रिकवरी पोज़िशन' में लिटाएं।

स्वाइन फ्लू होने पर दिखते हैं ये लक्षण, डॉक्टर ने बताए H1N1 के किन संकेतों को नहीं करना चाहिए नज़रअंदाज़

दिल्ली समेत देश भर में H1N1 संक्रमण से हड़कंप मचा हुआ है। दिल्ली में इस साल अब तक स्वाइन फ्लू के लगभग 2,000 से अधिक मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें से स्वास्थ्य विभाग के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 1,777 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। यह संख्या पिछले साल की तुलना में काफी अधिक है। केरल की बता करें तो स्वाइन फ्लू से अगस्त महीने में ही 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, कर्नाटक में 22 अगस्त 2026 तक 32 जिलों में प्रयोगशाला में 4,212 इन्फ्लूएंजा-पॉजिटिव मामले दर्ज किए गए। हालांकि, दिल्ली में अभी तक मौत का मामला सामने नहीं आया है। लेकिन बड़ी संख्या में लोग दिल्ली एनसीआर में संक्रमित हो रहे हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं स्वाइन फ्लू के मुख्य लक्षण, आप इनकी पहचान कैसे कर सकते हैं और किस स्थिति में आपको फौरन अस्पताल जाना चाहिए? प्रोफेसर डॉक्टर संजीव बगाई (चेयरमैन नेफ्रॉन क्लीनिक) के मुताबिक़, अगर आपको तेज बुखार के साथ ठंड लग रही है, खांसी आ रही है या गले में दर्द हो रहा है तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। अगर 48 घंटे के अंदर, बुखार कम नहीं होता है तो इस स्थिति को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए। डॉक्टर संजीव बगाई कहते हैं बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर होती है इसलिए उनमें H1N1 जैसे वायरल संक्रमण के लक्षण बड़ों से कुछ अलग दिखाई दे सकते हैं।। बच्चों की सांस लेने की दर भी वयस्कों की तुलना में अधिक होती है। ऐसे में अगर वो वायरस को इन्हेल कर रहे हैं तो उनमे H1N1 संक्रमण का रिस्क भी दोगुना हो जाता है। यानी वायरल संक्रमण होने पर उनमें सांस से जुड़ी जटिलताओं का जोखिम बढ़ जाता है। इसलिए, बच्चों में बुखार, खांसी, सांस लेने में परेशानी, सुस्ती या खाना-पीना कम करने जैसे लक्षण दिखें तो उन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। मणिपाल अस्पताल की इंटरनल मेडिसन विशेषज्ञ डॉक्टर स्वाति माहेश्वरी, कहती हैं कि अगर आपको दो तीन दिन से ज़्यादा बुखार है और दवा लेने के बाद भी वह कम नहीं हो रहा है तो आपको तो डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

स्वाइन फ्लू ने बढ़ाई चिंता! कर्नाटक में H1N1 के 4 हजार से ज्यादा केस, सरकार ने जारी की हेल्थ एडवाइजरी

देश भर में H1N1 स्वाइन फ्लू के मामले तेजी के बढ़ रहे हैं। दिल्ली एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग इससे संक्रमित हो रहे हैं। वहीं दूसरे राज्यों में स्वाइन फ्लू के संक्रमण को रोकने के लिए एहतियातन कदम उठाए जा रेह हैं। H1N1 के बढ़ते मामलों के बीच कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने हैल्थ एडवाजरी जारी कर दी है। कर्नाटक सरकार ने जनता को सलाह दी है कि लोग बिना घबराए और बताए गए एहतियाती उपायों का सख्ती से पालन करें। ताजा इन्फ्लूएंजा की स्थिति की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य विभाग कहा कि एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच (IHIP) के जरिए रिपोर्ट किए गए निगरानी आंकड़ों के अनुसार, कर्नाटक में 22 अगस्त 2026 तक 32 जिलों में प्रयोगशाला में 4,212 इन्फ्लूएंजा-पॉजिटिव मामले दर्ज किए गए। 2025 में इनकी संख्या 4,583 और 2024 में 3,903 थी। सरकार की ओर से जारी एडवाइजरी में लोगों को मौसमी इन्फ्लूएंजा के फैलने को कम करने के लिए सावधानियों का पालन करने की सलाह दी है। H1N1 से बचने के लिए आपको नीचे दिए गए खास एतिहात बरतने की जरूरत है। जानिए स्वाइन फ्लू के क्या हैं लक्षण? स्वाइन फ्लू से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए राज्य भर की स्वास्थ्य सुविधाओं को पीपीई (PPE), N95 मास्क और ओसेल्टामिविर (Oseltamivir) जैसी जरूरी चीजों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है। जिसमें H1N1 मामलों की जांच, परीक्षण और उपचार के जुड़े प्रोटोकॉल का पालन करना होगा।

किन लोगों को H1N1 से सबसे ज्यादा खतरा, कोविड-19 और स्वाइन फ्लू में क्या अंतर है?

देश के कई हिस्सों में इन दिनों वायरल संक्रमण और फ्लू जैसे लक्षणों वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। कई लोगों में तेज बुखार 103-104 डिग्री फॉरेनहाइट तक पहुंच रहा है। ऐसे में बच्चों, बुजुर्गों और पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। विशेषज्ञों के मुताबिक, मौजूदा समय में इन्फ्लुएंजा और कोविड जैसे श्वसन संक्रमण के लक्षण कई बार एक-दूसरे से काफी मिलते-जुलते हो सकते हैं। इसलिए केवल लक्षण देखकर दोनों में अंतर करना हमेशा संभव नहीं होता। प्रोफेसर डॉक्टर संजीव बगाई (चेयरमैन नेफ्रॉन क्लीनिक) के मुताबिक, H1N1 इन्फ्लुएंजा वायरस का एक स्ट्रेन है। इसे आम बोलचाल में स्वाइन फ्लू कहा जाता है, हालांकि H1N1 के संदर्भ में यह नाम पूरी तरह सटीक नहीं माना जाता। इन्फ्लुएंजा वायरस समय के साथ अपने स्वरूप में बदलाव करता रहता है। इसी वजह से इन्फ्लुएंजा के खिलाफ वैक्सीन में भी समय-समय पर बदलाव किया जाता है, ताकि उस समय फैल रहे मुख्य स्ट्रेन के खिलाफ बेहतर सुरक्षा मिल सके। डॉक्टर संजीव बगाई ने बताया कि फ्लू और दूसरे सांस से जुड़े संक्रमणों से गंभीर बीमारी का खतरा कुछ लोगों में ज्यादा रहता है।

आपका गट भी है सेंसिटिव? डाइट में शामिल करें ये हेल्दी फूड्स, पाचन होगा बेहतर

अगर आपको बार बार गैस, ब्लोटिंग, अपच या कब्ज जैसी समस्याएं होती हैं तो इसका मतलब है कि आपका पाचन तंत्र कमजोर हो सकता है। कई लोगों का गट इतना सेंसिटिव होता है कि कुछ खास फूड्स खाने के बाद तुरंत पेट में परेशानी शुरू हो जाती है। ऐसे में डाइट का सही होना बेहद जरूरी है। आयुर्वेदिक हेल्थ कोच डिंपल जांगड़ा कुछ ऐसे फूड्स के बारे में बता रही हैं जिनका सेवन करने से पाचन क्षमता बेहतर होगी और कब्ज-गैस से आराम मिलेगा A2 दूध का इस्तेमाल करेंः सेंसिटिव गट अच्छी क्वालिटी वाले A2 दूध का इस्तेमाल करें। A2 दूध गाय के दूध का एक खास प्रकार है जिसमें केवल A2 बीटा-कैसीन प्रोटीन होता है।आम दूध के मुकाबले इसे पेट के लिए हल्का और पचाने में बहुत आसान माना जाता है। अगर आप विगन हैं तो काजू के दही का इस्तेमाल कर सकते हैं। काजू और घी, दोनों से ब्यूटायरिक एसिड मिलता है, जो कोलन की अंदरूनी परत की कोशिकाओं को पोषण देता है और गट बैरियर को मज़बूत बनाए रखने में मदद करता है। पेपरमिंटः पेपरमिंट इरिटेबल बाउल सिंड्रोम को कंट्रोल करने में फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद मेंथोल पेट की मांसपेशियों को आराम देता है और ऐंठन से राहत दिलाता है। पेपरमिंट के लिए आप हमेशा एंटरिक-कोटेड पेपरमिंट कैप्सूल का चुनाव करें क्योंकि यह पेट के बजाय सीधे आंतों पर असर करता है। बेल या एलोवेराः डिंपल जांगड़ा कहती हैं कि बेल पेट की समस्याओं के लिए बेहतरीन आयुर्वेदिक उपाय है।

सुबह जोड़ों की अकड़न कैसे दूर करें, डॉक्टर से जानिए क्यों रात में जाम हो जाते हैं घुटने

रात में जब आप कई घंटों तक एक ही जगह आराम करते हैं, तो जोड़ों में मौजूद सिनोवियल फ्लूड जो जोड़ों का चिकनाई वाला तरल पदार्थ होता है वो धीरे-धीरे कम सक्रिय हो जाता है। जब आप सो रहे होते हैं तो नेचुरली शरीर में सूजन से जुड़े संकेत बढ़ सकते हैं और सुबह के समय इनका स्तर सबसे ज्यादा हो सकता है। सोने से शरीर में कम कम हलचल होती है जिससे ब्लड सर्कुलेशन भी कम हो जाता है। सोते समय शरीर की हलचल कम होने से जोड़ों और उनके आसपास के टिशूज में रक्त का संचार भी कम हो सकता है। इसी वजह से सुबह बिस्तर से उठकर पहले कुछ कदम जब आप चलते हैं तो जोड़ थोड़े अकड़े हुए महसूस हो सकते हैं। कुछ देर चलने-फिरने के बाद जोड़ों में मौजूद तरल फिर सक्रिय होता है और अकड़न कम होने लगती है। जाने माने कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर आलोक चोपड़ा ने बताया जोड़ों की अकड़न कैसे दूर करें? जोड़ों की अकड़न अगर कुछ ही मिनटों तक रहती है और चलने-फिरने से ठीक हो जाती है, तो आमतौर पर चिंता की बात नहीं होती। लेकिन लंबे समय तक रहने वाली अकड़न परेशान कर सकती है। अगर अकड़न के साथ जोड़ों में सूजन, गर्माहट या दर्द भी हो।

भूख लगने पर क्यों आती है पेट से गुड़गुड़ की आवाज

अक्सर आपने महसूस किया होगा कि जब पेट खाली होता है या तेज भूख लगती है तो पेट से गुड़गुड़ की आवाज आने लगती है। पेट से ऐसी आवाजें आना पाचन क्रिया का एक सामान्य हिस्सा है और ऐसा सिर्फ भूख लगने पर नहीं बल्कि कभी भी हो सकता है। मेडिकल भाषा में इसे बोरबोरीग्मी कहा जाता है और ये आवाजें पेट और आंतों में गैस, तरल पदार्थ और पाचन सामग्री की गति के कारण पैदा होती हैं। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर निर्देश चौहान (कंसल्टेंट, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल, फरीदाबाद) ने बताया कि पाचन क्रिया के अलग अलग स्टेज होते हैं जिसमें कभी भी पेट से आवाजें आ सकती हैं। हालांकि आमतौर पर इसका कोई नुकसान नहीं होता है, लेकिन पेट से लगातार आने वाली ये आवाजें और साथ में पाचन संबंधी अन्य लक्षण होने पर डॉक्टर को दिखा लेना चाहिए। पाचन तंत्र के भीतर कई प्रक्रियाएं पेट में होने वाली जानी-पहचानी गड़गड़ाहट की आवाज पैदा कर सकती हैं। इसके कछु अहम कारण हैं जिन्हें डॉक्टर ने बताया। लगातार खाने को मिलाते और पाचन तंत्र में आगे बढ़ाते रहते हैं। जब भारी खाना, डाइजेस्टिव फूड और एयर आंतों से होकर गुजरते हैं, तो वे गुड़गुड़ाहट और गड़गड़ाहट जैसी आवाज़ें पैदा कर सकते हैं।

उबला अंडा या कच्चा, किसमें होता है ज्यादा पोषक तत्व? गैस्ट्रोलॉजिस्ट ने बताया खाने का सही तरीका

प्रोटीन, विटामिन और कैल्शियम से भरपूर अंडा एक सुपरफूड है। इसका सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। कई लोग इसका सेवन उबालकर करते हैं तो कई लोग इसे कच्चा खाना ही पसंद करते हैं। दरअसल, कई लोग ज्यादा पोषण के लिए कच्चे अंडे का सेवन करते हैं। लेकिन क्या वाकई कच्चा अंडा खाने से ज़्यादा पोषक तत्व मिलते हैं? ऐसे में अक्सर लोगों के मन में सवाल रहता है कि अंडा उबालकर खाना ज्यादा फायदेमंद है या कच्चा। डॉक्टर शुभम वत्स से जानते हैं अंडा खाने का सही तरीका और उबले और कच्चे अंडे में क्या अंतर है? डॉक्टर शुभम वत्स कहते हैं, कि कच्चे अंडे में प्रोटीन के पचने और अवशोषण की क्षमता लगभग 50 प्रतिशत तक होती है। वहीं, उबले अंडे में यह लगभग 90 से 95 प्रतिशत के आसपास हो जाती है। दरअसल, कुकिंग प्रोटीन को कम नहीं करता है बल्कि उसे बढ़ा देता है। यानी कच्चे और उबले हुए अंडे में पकाये हुए अंडे में ज़्यादा प्रोटीन होता है। कच्चा अंडा खाने से साल्मोनेला संक्रमण (Salmonella infection) का खतरा तेजी से बढ़ता है। इस वजह से डायरिया, पेट में दर्द, बुखार, वोमिटिंग और फूड पॉइजनिंग जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती है। इसलिए, कच्चे अंडे को खाना कई बार सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। पकाया हुआ अंडा खाने से ल्यूटिन और जियाजैंथिन (Lutein and Zeaxanthin) जैसे आई प्रोटेक्टिक बहुत अच्छी मात्रा में मिलते हैं। अंडे की जर्दी में मौजूद प्राकृतिक वसा इन पोषक तत्वों को शरीर में आसानी से और तेजी से घुलने-मिलने में मदद करती है। यह उम्र के साथ कमजोर होने वाली दृष्टि और मैकुलर डिजनरेशन की समस्या को कम करते हैं। डॉक्टर शुभम वत्स कहते हैं, कि ऐसे में कच्चे और उबले हुए अंडे में ज़्यादा फायदेमंद पकाया हुआ अंडा होता है। इसलिए आप कच्चे की जगह उबाला हुआ अंडा, ऑमलेट व फिर स्क्रंबलड एग खाएं। क्योंकि पकाय हुआ अंडा प्रोटीन, विटामिन, डाइजेशन और सेफ्टी हर लिहाज से ज़्यादा फ़ायदेमदं है। अंडा संतुलित आहार का पौष्टिक हिस्सा हो सकता है और इसमें उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन, विटामिन तथा कई आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं। हालांकि, इसे किस तरह खाया जाए, इसका असर शरीर को मिलने वाले पोषण और खाद्य सुरक्षा दोनों पर पड़ सकता है। इसी वजह से कच्चे अंडे को अधिक पौष्टिक मानकर खाने की धारणा पर दोबारा विचार करना जरूरी है। कच्चे अंडे में मौजूद प्रोटीन का शरीर द्वारा पाचन और अवशोषण पकाए हुए अंडे की तुलना में कम प्रभावी होता है। इसलिए अधिक प्रोटीन प्राप्त करने के उद्देश्य से कच्चा अंडा खाना जरूरी नहीं है।

थिंक राजस्थान

महिला कमांडो तैयार करने की दिशा में NSG की बड़ी पहल, पहली बार महिलाओं को दी जाएगी ट्रेनिंग

नई दिल्ली। भारत में नारी शक्ति को सुरक्षा व्यवस्था के अग्रिम मोर्चे पर मजबूत करने की दिशा में NSG ट्रेनिंग अकादमी, मानेसर ने एक अहम पहल शुरू की है। पहली बार देश में महिला कमांडो कन्वर्जन कोर्स (MCCC) का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें राज्य पुलिस बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) की महिला कर्मियों को विशेष कमांडो प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 24 अगस्त से 14 नवंबर 2026 तक चलने वाला यह 12 सप्ताह का कठिन और व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम महिला जवानों को अत्यधिक प्रशिक्षित, आत्मविश्वासी और ऑपरेशनल तौर पर सक्षम कमांडो के रूप में तैयार करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इस प्रशिक्षण में महिला कर्मियों को फिजिकल कंडीशनिंग, हथियार संचालन, सटीक निशानेबाजी, इंटरवेंशन स्किल्स, बंधक बचाव अभियान (Hostage Rescue Operations) और आतंकवाद विरोधी अभियानों से जुड़े विभिन्न पहलुओं की ट्रेनिंग दी जा रही है। इस पहल का उद्देश्य सिर्फ महिला कर्मियों की शारीरिक और पेशेवर क्षमता को बढ़ाना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसे चुनौतीपूर्ण ऑपरेशनल माहौल के लिए तैयार करना है, जहां तेजी से निर्णय लेने, साहस और उच्च स्तर की कमांडो दक्षता की जरूरत होती है।

गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन-2026 का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में 9वें दो दिवसीय राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन-2026 का उद्घाटन किया। सम्मेलन में देशभर से 850 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। पहले दिन आतंकवाद, खुफिया सूचनाओं के समन्वय, अवैध घुसपैठ, साइबर अपराध, मादक पदार्थ और पाकिस्तान के प्रॉक्सी वॉर पर चर्चा हुई। अमित शाह ने MAC पर उपलब्ध सूचनाओं के AI आधारित विश्लेषण से राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों के लिए SOP तैयार करने के निर्देश दिए। इस दौरान UAPA मामलों में एकीकृत जांच, भगोड़ों को वापस लाने और 'ट्रायल इन एब्सेंटिया' के इस्तेमाल पर जोर दिया गया। घुसपैठ के खिलाफ सभी एजेंसियों को कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए गए। दूसरे दिन ड्रोन/सब-एरियल सिस्टम, ब्लू इकॉनमी की सुरक्षा, सूचना युद्ध और जैव-सुरक्षा पर चर्चा की जाएगी। इससे पहले देश के गृह मंत्री अमित शाह उस वक्त चर्चा में आए थे, जब उन्होंने ISI समर्थित आतंकी गुट 'शहज़ाद भट्टी नेटवर्क' को खत्म करने को लेकर एक्स पर पोस्ट किया था। उन्होंने इस कार्रवाई को लेकर कहा था, "मोदी सरकार ने स्वतंत्रता दिवस से पहले ISI समर्थित आतंकी गुट 'शहज़ाद भट्टी नेटवर्क' को खत्म कर दिया और 200 से ज्यादा सदस्यों को गिरफ्तार करके उसके खतरनाक हमलों के मंसूबों को नाकाम कर दिया।" शाह ने बताया था, "भारतीय सुरक्षा बलों ने 14 राज्यों में अलग-अलग जगहों पर एक साथ ऑपरेशन चलाकर इस नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया, जो आतंकवाद के प्रति भारत की 'ज़ीरो-टॉलरेंस' नीति का एक बेहतरीन उदाहरण है।" शाह ने ये भी बताया था, "ISI से फंड पाने वाले इस गुट के पास से भारी मात्रा में सामान बरामद किया गया, जिसमें IED, पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के निशान वाले ग्रेनेड, पिस्तौल, जिंदा कारतूस और जासूसी के लिए इस्तेमाल होने वाले CCTV कैमरे शामिल थे। यह नेटवर्क कई आतंकी गतिविधियों में शामिल था।" बता दें कि मोदी

सरकार की आतंकवाद को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति रही है। मोदी सरकार जब से सत्ता में आई है, देश में बड़ी संख्या में आतंकी और उनके नेटवर्क को खत्म किया गया है और ये कार्रवाई लगातार जारी है। इससे पहले शाह तब भी चर्चा में आए थे जब उन्होंने NSA अजीत डोभाल की जमकर तारीफ की थी। दरअसल डोभाल को लोकमान्य तिलक पुरस्कार मिला था और अमित शाह ने कहा था कि देश की सुरक्षा मजबूत करने में उनकी अहम भूमिका रही है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मोर्चों पर एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि बदलते सुरक्षा परिदृश्य में केवल पारंपरिक तरीकों के आधार पर चुनौतियों का सामना नहीं किया जा सकता। आतंकवाद और संगठित अपराध से लेकर साइबर अपराध तथा सीमा पार से होने वाली गतिविधियों तक, सुरक्षा एजेंसियों को उपलब्ध सूचनाओं का तेजी से विश्लेषण कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। इसका उद्देश्य खतरे की जानकारी मिलने के बाद संबंधित एजेंसियों की कार्रवाई के लिए मानक संचालन प्रक्रिया को और प्रभावी बनाना है।

तमिलनाडु में सौगातों की बारिश, 2 अक्तूबर से महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा योजना के विस्तार की घोषणा की। इस योजना के तहत महिला लाभार्थी अब डीलक्स और एक्सप्रेस बसों में भी मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। इसकी घोषणा आज सीएम विजय ने विधानसभा में की। इसके अलावा अन्य कई अहम घोषणाएं करते हुए विजय ने तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख चुनावी वादों को पूरा करने की दिशा में तीन मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देने का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इसकी राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की जाएगी। उन्होंने परंदूर ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजना को रद्द करने की भी घोषणा की। इस हवाई अड्डा परियोजना का स्थानीय किसानों द्वारा भारी विरोध किया जा रहा था और वे अपनी जमीन देने के लिए तैयार नहीं थे। महिलाओं के लिए भी मुख्यमंत्री ने 'वेंत्री पयनम' योजना का ऐलान किया है। इस योजना के तहत महानगरीय और शहरी क्षेत्रों में चलने वाली सरकारी एक्सप्रेस, एलएसएस और डीलक्स बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। इस योजना से करीब 1 करोड़ 30 लाख परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

बिना कपड़ों के छात्राओं के साथ नहाता दिखा प्रिंसिपल, ग्रामीणों में आक्रोश, पुलिस ने शुरू की जांच

राजस्थान के अलवर से एक स्कूल के प्रिंसिपल का वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह स्कूल की छात्राओं के साथ बांध में नहाते नजर आ रहे हैं। घटना का वीडियो सामने आने के बाद गांव के लोगों ने प्रिंसिपल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने वीडियो के आधार पर जांच भी शुरू कर दी है। हालांकि, अब तक पुलिस के पास किसी भी छात्रा या उनके परिजनों ने शिकायत नहीं की है। इस वजह से प्रिंसिपल के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई है। घटना थानागाजी के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पड़ाकछापली की है। स्कूल के प्रिंसिपल का आपत्तिजनक वीडियो सामने आने के बाद शनिवार को हड़कंप मच गया। वायरल वीडियो में प्रिंसिपल 9वीं से 12वीं कक्षा की छात्राओं के साथ बांध में नहाता दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रिंसिपल तैराकी सिखाने और भ्रमण के बहाने बच्चों को भड़ाज बांध ले गया, जहां वह छात्राओं के साथ अठखेलियां करता नजर आया। जानकारी के अनुसार 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के बाद स्कूल के छात्र-छात्राओं को जंगल के रास्ते करीब दो किलोमीटर दूर बांध पर ले जाया गया। इनमें करीब 20 से 25 बड़ी बालिकाएं भी शामिल थीं। आरोप है कि बच्चों को बिना लाइफ जैकेट और पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम के पानी में उतारा गया, जबकि कई बच्चों को तैरना नहीं आता था। ग्रामीणों के अनुसार बांध की पाल करीब 5-6 फीट चौड़ी है और यहां पहले भी डूबने की घटनाएं हो चुकी हैं। ग्रामीणों व प्रशासन के अनुसार करीब चार साल से यहां जाने पर पाबंदी है। इसके बावजूद बच्चों को बांध पर ले जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद ग्रामीण स्कूल पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने प्रिंसिपल के बयान दर्ज किए। थाना प्रभारी राजकुमार मीणा ने बताया कि अभी तक किसी छात्र, छात्रा या अभिभावक की लिखित शिकायत नहीं मिली है। वीडियो के आधार पर जांच की जा रही है। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी शकुंतला यादव ने बताया कि बालिकाओं, प्रिंसिपल और अभिभावकों से जानकारी ली गई है। अब टीम पूरे मामले की जांच करेगी। घटना का वीडियो सामने आने के बाद स्कूल और आसपास के क्षेत्र में मामला चर्चा का विषय बन गया। ग्रामीणों ने विद्यालय प्रबंधन पर विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बांध क्षेत्र में पहले से प्रवेश पर रोक थी तो विद्यार्थियों को वहां ले जाने का निर्णय किस आधार पर लिया गया, इसकी भी जांच होनी चाहिए। बताया जा रहा है कि स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम समाप्त होने के बाद विद्यार्थियों को भ्रमण और तैराकी सिखाने के उद्देश्य से बांध क्षेत्र की ओर ले जाया गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यार्थियों को पानी में उतारते समय पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए।

कानपुर में IBPS PO परीक्षा में फर्जीवाड़ा, नकल कराने वाले गिरोह का हुआ पर्दाफाश

उत्तर प्रदेश के एसटीएफ (STF) ने कानपुर से एक शातिर गिरोह के 4 सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जो आईबीपीएस (IBPS) की भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा करा रहे थे। पकड़े गए आरोपियों में अवनीश यादव, आशीष कुमार, राहुल कुमार सिन्हा और अंकित सचान शामिल हैं। यह गिरोह पैसों के बदले दिव्यांग श्रेणी के अभ्यर्थियों के नाम पर फर्जी तरीके से खुद या दूसरे तेज-तर्रार लोगों को सहायक लेखक (स्क्राइब) बनाकर परीक्षा में बैठाता था और उन्हें नकल कराकर पास कराने का काम करता था। एसटीएफ ने आरोपियों के पास से 5 मोबाइल, 4 आधार कार्ड, 3 पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट और बैंक के 2 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। इसके साथ ही एक आईपैड, एक वैगनआर कार, कुछ जाली दस्तावेज और 2750 नकद भी मिले हैं। पूछताछ के दौरान इस गिरोह के मास्टरमाइंड मनीष कुमार मिश्रा और बिहार के रहने वाले राजू गुप्ता के नाम सामने आए हैं। पुलिस ने आरोपियों पर सचेंडी थाने में भारतीय न्याय संहिता (BNS) और सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है और मामले की आगे की जांच जारी है। एसटीएफ मुख्यालय की टीम को सूचना मिली थी कि 22 और 23 अगस्त 2026 को आयोजित ऑनलाइन प्रारंभिक परीक्षा (CRP PO/MT-XVI) में फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। सचेंडी थाना क्षेत्र के 'ION Digital Zone IDZ' भैला मऊ परीक्षा केंद्र पर 22 अगस्त की अंतिम पाली में दिल्ली और बिहार से आए पेशेवर सॉल्वर PWD श्रेणी के अभ्यर्थियों के स्थान पर फर्जी स्क्राइब (सहायक लेखक) बनकर परीक्षा दे रहे थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस और सेंटर ऑब्जर्वर की मदद से परीक्षा खत्म होते ही संदिग्धों को रोककर पूछताछ की गई, जिसके बाद पर्याप्त सबूत मिलने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के खिलाफ कानपुर नगर के सचेंडी थाने में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धाराओं और यूपी के कड़े नकल विरोधी कानून ('उ०प्र० सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम-2024') के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस इस मामले में शामिल बाकी लोगों और साठगांठ करने वाले अभ्यर्थियों को पकड़ने के लिए आगे की कार्रवाई कर रही है।

सोने की मूर्ति और गहनों के लालच में शख्स को चारपाई से बांधकर जिंदा जला दिया, 3 आरोपी गिरफ्तार

ओडिशा के पुरी जिले में सोने की मूर्ति और गहनों के लालच में एक शख्स को चारपाई से बांधकर जिंदा जला दिया गया है।

ओडिशा के पुरी जिले से अपराध और हत्या की एक खौफनाक वारदात सामने आई है। जानकारी के अनुसार, पुरी जिले के कनास इलाके में सोने की मूर्ति और गहनों के लालच में एक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। शख्स के हाथ-पैर चारपाई से बांधकर उसे जिंदा जला दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। मृतक की पहचान परशुराम प्रधान के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 11 अगस्त को कनास थाना क्षेत्र के मंदराबस्त गांव में हुई थी। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने परशुराम के हाथ-पैर चारपाई से बांधे और फिर उस पर केरोसिन डालकर आग लगा दी। पुलिस ने हत्या के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान खुर्दा जिले के तापंग निवासी राजकिशोर साहू और सुरेश साहू तथा केंद्रापड़ा निवासी सत्यव्रत मल्लिक के रूप में हुई है। पुलिस अब मामले में आरोपियों की भूमिका और हत्या से पहले तथा बाद में हुई घटनाओं की पूरी कड़ी की जांच कर रही है। अब तक के पुलिस की जांच के अनुसार, इस मामले की शुरुआत एक अलग विवाद से हुई थी। बताया जा रहा है कि राजकिशोर साहू ने शुरुआत में परशुराम प्रधान से अपने भाई के प्रेम संबंध को खत्म करवाने में मदद मांगी थी। इस काम के लिए राजकिशोर ने परशुराम को 19 हजार रुपये दिए थे। इसके बाद मामले में सोने की मूर्ति और गहनों का लालच जुड़ गया। पुरी के एसपी प्रतीक सिंह के मुताबिक, बाद में परशुराम ने राजकिशोर को बताया कि जमीन के एक हिस्से में एक बर्तन दबा हुआ है, जिसमें सोने की मूर्ति और गहने रखे हुए हैं। इस दावे के बाद राजकिशोर कथित तौर पर उस सामान को निकालने के लिए तैयार हो गया। इस सिलसिले में परशुराम ने राजकिशोर से करीब 2 लाख रुपये लिए। राजकिशोर को उम्मीद थी कि जमीन से सोने की मूर्ति और गहने मिलने के बाद उसे फायदा होगा। हालांकि, जब बताए गए स्थान पर खुदाई की गई तो कथित तौर पर सोने की मूर्ति और गहने नहीं मिले। इसके बाद राजकिशोर ने परशुराम से अपने पैसे वापस मांगने शुरू किए। पुलिस का कहना है कि परशुराम कथित तौर पर रकम वापस नहीं कर पाया, जिसके बाद दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। पैसे वापस नहीं मिलने के बाद राजकिशोर ने सुरेश साहू और सत्यव्रत मल्लिक के साथ मिलकर परशुराम की हत्या की योजना बनाई। आरोप है कि तीनों इसके बाद परशुराम के पास पहुंचे। पुलिस के मुताबिक, उन्होंने कथित तौर पर परशुराम के हाथ-पैर एक चारपाई से बांध दिए। इसके बाद उस पर केरोसिन डाला गया और आग लगा दी गई। इस घटना में परशुराम की मौत हो गई। बता दें कि इससे पहले ओडिशा के कंधमाल जिले में भी खेती करने से रोकने पर दो भतीजों ने चाचा की हत्या कर दी थी। पुरी में हुई अपराध की इस घटना की जांच के दौरान पुलिस ने मामले से जुड़े लोगों और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। जांच आगे बढ़ने पर पुलिस ने तीन संदिग्ध आरोपियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस हत्या की पूरी घटना की कड़ी जोड़ने में जुटी है।

जयपुर में पार्षद टिकट की होड़, 150 वार्डों पर 2500 से ज्यादा दावेदार

राजस्थान में निकाय चुनाव का काउंटडाउन शुरू होते ही राजधानी जयपुर में पार्षद की कुर्सी के लिए सियासी दौड़ तेज हो गई है। चुनावी तारीखों के ऐलान से पहले ही राजनीतिक दलों के दफ्तरों में टिकट के दावेदारों की आवाजाही बढ़ गई है। सबसे ज्यादा हलचल भाजपा में दिखाई दे रही है, जहां 150 वार्डों के लिए 2500 से ज्यादा कार्यकर्ता और आम लोग टिकट की दावेदारी जता चुके हैं। पार्षदी का टिकट पाने के लिए पैर भी छुए जा रहे हैं। भाजपा जयपुर शहर अध्यक्ष अमित गोयल के मुताबिक, अब तक आए आवेदनों में करीब 1000 बायोडाटा महिलाओं के हैं। खास बात यह है कि महिलाओं ने सामान्य यानी ओपन वार्डों से भी बड़ी संख्या में दावेदारी की है। ऐसे में टिकट वितरण के दौरान महिला दावेदारों को लेकर पार्टी के भीतर खासा मंथन होने की संभावना है। दरअसल, निकाय चुनाव में पार्षद की कुर्सी भले छोटी नजर आए, लेकिन स्थानीय राजनीति में यही कुर्सी आगे की सियासी सीढ़ी बनती है। लिहाजा टिकट के लिए नेताओं से लेकर कार्यकर्ताओं तक ने जोर आजमाइश शुरू कर दी है। राजस्थान के जयपुर में नगर निकाय चुनाव को लेकर चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। जयपुर नगर निगम के पार्षद पदों के लिए 11 सितंबर 2026 को वोटिंग है। वहीं, मतगणना 14 सितंबर को की जाएगी।

महायुति में निगमों के बंटवारे का विवाद सुलझा, विधायक संख्या के आधार पर BJP, शिवसेना-NCP को मिलेगा हिस्सा

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सरकारी आवास 'वर्षा' पर महायुति की समन्वय समिति की बैठक हुई। बैठक में लंबे समय से लंबित निगमों के बंटवारे का विवाद सुलझा लिया गया। नए फॉर्मूले के तहत बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी को उनकी विधायक संख्या के आधार पर निगमों का बंटवारा किया जाएगा। इसकी आधिकारिक घोषणा जल्द होने की उम्मीद है। बैठक में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ बीजेपी से गिरीश महाजन और चंद्रशेखर बावनकुले मौजूद रहे। शिवसेना की ओर से एकनाथ शिंदे, उदय सामंत, शंभूराज देसाई और दादा भुसे शामिल हुए। वहीं एनसीपी की ओर से सुनेत्रा पवार, छगन भुजबल, हसन मुश्रीफ और संजय खोडके बैठक में मौजूद रहे। महाराष्ट्र की जनता ने मुख्यमंत्री को इतना बड़ा जनादेश दिया है। जिस तरीके से महाराष्ट्र की पूरी जनता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पीछे मजबूती से खड़ी है। 235 विधायक जीतकर आए हैं, फिर विपक्ष को ऐसी बातें क्यों करनी है? विपक्ष को लग रहा है कि जब तक देवेंद्र फडणवीस रहेंगे, तब तक उनकी दुकान नहीं चलेगी। इसलिए ऐसी बातें कर रहे हैं। बावनकुले ने कहा, 'हमने महायुति की कोऑर्डिनेशन कमिटी का प्लेटफॉर्म बनाया है। इसमें आज चर्चा हुई। मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्री इसमें शामिल थे। बैठक में आने वाले एमएलसी चुनाव और नगर पंचायत के चुनाव में कैसे आगे बढ़ेंगे, इस पर चर्चा हुई। साथ ही चुनाव में जनता से किए गए वादों को पूरा करने को लेकर भी चर्चा हुई।'

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415